A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 20 सितंबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 339, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

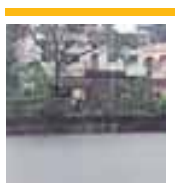

प्रसंगवश

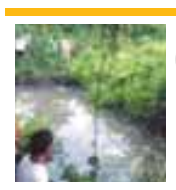

भारतीय बुद्धिजीवियों की समस्या : आदतन आलोचना या अंधभक्ति..!

शंकर शरण

एक शोधकर्ता ने एक प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थान में गांधीजी के अहिंसा और सत्य संबंधी विचार और कार्यों पर एक शोधपत्र पढ़ा। उस में गांधी के पूरे राजनीतिक जीवन से उन के विचारों और कामों को उद्धृत करके उन में भारी विसंगतियां दर्शाई गई थी। साथ ही, गांधी के असंख्य राजनीतिक कामों की समीक्षा की गई थी। शोधकर्ता ने अपनी परख से दिखाया कि गांधी या तो उन प्रसंगों में झूठ बोले, गलत फैसले किए, अथवा बार-बार वैसे असंगत, अनुचित काम करते हुए वे निरे अज्ञान में थे। दोनों स्थितियों में, एक जिम्मेदार नेता या चिंतक के रूप में गांधी की महत्ता खंडित होती थी।

आयोजन से पहले वह शोधपत्र लिखित रूप में सभी उपस्थित लोगों को वितरित किया गया था। ताकि उस में रखी गई बातें यदि गड़बड़ हों तो खंडन किया जा सके। प्रस्तुति के बाद वहां उपस्थित एक शोधार्थी ने कहा कि ''पर्चे में बड़ी तर्कपूर्ण बातें हैं, जिस का मैं खंडन नहीं कर सकता। परन्तु मैं उस की किसी बात से सहमत नहीं हूं।''

वहां संस्थान के निदेशक भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''ऐसे ही लिखना चाहिए। किंतु उन्होंने भी स्पष्ट नहीं किया कि असहमति कहां थी और उन का निराकरण कैसे हो?

एक दूसरा उदाहरण लीजिए। एक बुजुर्ग बुद्धिजीवी ने किसी लेखक को कहा, ''आप ने गांधी जी की ब्रह्मचर्य संबंधी बातों, कामों पर किसलिए लिखा?'' वे दुःखी थे। उन्होंने यह नहीं कहा कि लेखक ने कोई असत्य बात लिखी। वे इसी पर क्षुब्ध थे कि उस विषय पर क्यों लिखा? वे भूल गए कि स्वयं गांधी ने कहा था कि उन के हर काम का आधार 'सत्य, अहिंसा और ब्रह्मचर्य' है। ऐसे में उन के काम की परख करने के लिए ब्रह्मचर्य संबंधी उन के विचारों और 'प्रयोगों' की समीक्षा ज़रूरी है, लेकिन उस पर लिखने-बालने पर आपत्ति करना, गांधी के उन विचारों और कामों को छिपाने की चाह है जिन का बचाव करना मुश्किल है। सो, गाँधी के सिद्धांतों का तो यह हाल है।

जबकि गौतम बुद्ध ने कहा था, ''मेरी बात भी उसी तरह परख कर मानना, जैसे सोने को घिस-परख कर ही स्वीकार किया जाता है। इसलिए नहीं कि मैंने कहा है.'' पर आज असंख्य भारतीय बौद्धिक मामूली नेताओं की बातें भी बिना ना-नुच किये मानने ही नहीं, उस पर उत्साहित होने की जिद करते हैं। ऐसा न करने वाले को संदिग्ध मानते हैं और उसे 'ब्लैकलिस्ट' करते हैं। ये उदाहरण मात्र है। आज हर लेखक, शिक्षक, या पत्रकार को रोज लेखों, टिप्पणियों, पॉडकास्टों आदि की बाढ़ मिलती रहती है। उन सब का आकलन करने पर कुछ बौद्धिक प्रवृत्तियों का पैटर्न साफ झलकता है।

भक्त बुद्धिजीवी: आदतन राजनीतिक मानसिकता। समाज ही नहीं, साहित्य, संस्कृति, कला, और निरे समाचारों, घटनाओं, आदि को भी किसी न किसी पक्षपाती दृष्टि से देखना। अक्सर उन बातों को किसी न किसी राजनीतिक नेता, पार्टी या एजेंसी जोड़ कर ही देखा जाता है। चाहे बिना किसी सबूत के। इसी तरह, किसी न किसी षड्यंत्र की बात के प्रति बड़ा आकर्षण दिखता है। किसी नेता, पार्टी, 'डीप स्टेट', चीन, सीआईए, वेटिकन, सोरोस या आपदा की संभवाना (चाहे कितनी भी ऊटपटांग क्यों न हों), आदि के बारे में गुमनाम दावे तुरंत साझा किए जाते हैं और जब सोर्स पूछे जाते हैं, तो 'मैं नहीं जानता' कहने में कोई हिचक नहीं होती।

दूसरी बात, हर कोई बिना परखे किसी भी बयान या काम की आदतन निंदा या प्रशंसा करता मिलता है – चाहे वह पार्टी का नेता हो, लेखक हो, संस्था हो या कोई राजनीतिक फैसला ही क्यों न हो।

तीसरी बात, किसी गंभीर घटना, नीति, या वक्तव्य पर विचार नहीं किया जाता जो सामने आया है। इस के बदले उससे जुड़े व्यक्ति, देश या संस्थान को लगातार निंदा का पात्र बनाया जाता है। बस!

चौथी बात, किसी अनुचित स्थिति को बदलने में अपनी, यानी अपने पसंदीदा दल, नेता, संगठन, या अपने देश की भी कोई जिम्मेदारी नहीं मानी जाती है। केवल किसी न किसी की निंदा, कोसना और उल्टे-सीधे आरोप लगा देना अपने आप में संपूर्ण कर्तव्य माना लगता है। आग्रह करने पर, पुनः किसी न किसी स्थिति, व्यक्ति, पार्टी, या एजेंसी को? दोष देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। जिस से यह समझ दिखती है कि समाधान तो सदैव 'दूसरों' पर निर्भर है। सो बुद्धिजीवी का काम बस निन्दा करना या आरोप लगाना है – चाहे वह बहुत पहले दिवंगत व्यक्ति ही क्यों न हो (जैसे थॉमस मेकॉले या जवाहरलाल नेहरू)। यह प्रवृत्ति स्थानीय लेकर अंतरराष्ट्रीय मामलों तक, अतीत से लेकर वर्तमान तक एक जैसी रहती है। कहीं अपने संगठन, संप्रदाय, नेता, या अपने देश, सरकार, आदि का कर्तव्य कठघरे में नहीं रखा जाता। मानो कर्तव्य करना 'दूसरों' का, और फतवे फैसले देना 'हमारा' काम हो। भारत का बुद्धिजीवी वर्ग सुसंगतता की कमी से ग्रस्त है। अगर एक पार्टी का नेता कुछ कहता या करता है तो उसकी निंदा की जाती है, लेकिन दूसरी पार्टी का नेता वही या उससे भी बुरा करता है तो उसे नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या सही ठहरा दिया जाता है। यह दोहरापन नीतियों और गलतियों पर बार-बार अपनाया जाता है। जब एक पार्टी सत्ता में होती है तो हर नाकामी के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया जाता है, और अपेक्षा की जाती है कि वह सब कुछ ठीक करे। लेकिन जब दूसरी पार्टी सत्ता में होती है तो हर गलती समाज पर डाल दी जाती है और वही यह तर्क दिया जाता है कि 'हर काम सरकार ही तो नहीं कर सकती।' ऐसा दोहरापन रखने में बुद्धिजीवियों को कोई विरोधाभास नहीं दिखता।

पांचवीं बात, किसी न किसी की भक्ति, चाहे वह कोई नेता, संगठन, मतवाद, या कोई पुस्तक ही क्यों न हो (जैसे गांधी का 'हिन्द स्वराज')। अधिकांशतः विचारहीन भक्ति। किसी मूल्य, आदर्श, या सिद्धांत के आधार पर नहीं, बल्कि वह व्यक्ति, संगठन, निष्कर्ष, या पुस्तक ही अपने आप पूजनीय मान ली जाती है। उसे किसी कसौटी से परखने का सवाल ही नहीं उठता। बल्कि कसौटी और पैमाने को ही उस व्यक्ति, संगठन, निष्कर्ष, या पुस्तक के अनुकूल ढाल दिया जाता है।

यह भक्ति-भाव सामाजिक कार्यकर्ताओं, शोधार्थियों और लेखकों तक में आम मिलता है। सत्य, प्रमाण, या सहज न्याय की भी परवाह नहीं की जाती। बस अपने पसंदीदा नेता या समूह की छवि बची रहनी चाहिए। भक्त-बुद्धिजीवी ऐसा करते हुए हर सिद्धांत को तोड़-मरोड़ देते हैं ताकि उनके नेता या पार्टी पर कोई आंच न आए।

इस को श्री अरबिंदो ने हिंदुओं में 'चिन्तन-फोबिया' कहा था। सोच-विचार से डरना। वही आज भी दिखता है। क्या यही डर अच्छे-अच्छे बौद्धिकों को वैचारिक जड़ता में बाँधे रखता है?

(द प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

गीत भी उदास थे, छन्द बदहवास थे
रागिनी अधीर थी, राग बने दास थे
और हम ठगे- ठगे
रात दिन जगे-जगे
चाँद के लिए सदा, चकोर माँगते रहे
रात के चरन पकड़ के भोर माँगते रहे
चाह थी कि हर कली को,
तितलियों का प्यार दें
आँसुओं की पालकी को,
आँख के कहार दें
हर झुकी – झुकी नज़र की,
आरती उतार दें
पतझड़ों से हार चुके, बाग़ को बहार दें
किन्तु भाग्य में लिखा
है कौन जो मिटा सका
सिन्धु की लहर में स्वयं
बूँद सा समा सका
किन्तु हम बुझे – बुझे
अश्रुबाण से बिंधे
सूख चुके नयन हेतु, लोर माँगते रहे
रात के चरन पकड़ के, भोर माँगते रहे
इस धरा पे कौन है जो दर्द में पला नहीं
या किसी सुबह को साँझ –
साँझ में ढ़ला नहीं
कौन सूर्य है जो स्वयं अग्नि में जला नहीं
कौन है पथिक जो राह –
राह में चला नहीं
देह, प्राण, चेतना
है विशुद्ध कल्पना
शूल के नगर – नगर में फूल की
विवेचना
सत्य की तलाश में
सृजन में, विनाश में
शान्त प्राण – सिन्धु में हिलोर माँगते रहे
रात के चरन पकड़ के , भोर माँगते रहे।

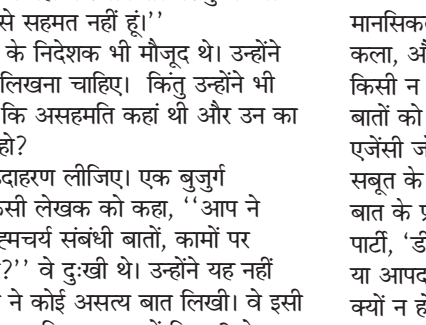

– मुक्तेश्वर पराशर

खारिज, खारिज, खारिज...

कह तो दिया

● अब कितनी बार दोहराऊं एक ही बात को

बानू मुश्ताक केस में बोले भावी सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस साल मैसुरु दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने शुक्रवार (19 सितंबर) को कर्नाटक हाई कोर्ट के 15 सितंबर के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया गया था।

हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एच एस गौरव ने शीर्ष अदालत में अपील दायर की थी। यह उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा। इस याचिका में कहा गया था कि चामुंडेश्वरी मंदिर में होने वाले दशहरा के अनुष्ठान के रीति-रिवाज प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित आवश्यक धार्मिक प्रथा हैं। इस परंपरा के तहत देवी चामुंडेश्वरी के गर्भगृह के समक्ष दीप प्रज्वलित किया जाता है, हल्दी व कुमकुम लगाया जाता है, फल और फूल चढ़ाए जाते हैं। याचिका के अनुसार, ये हिंदू पूजा के कार्य हैं जो आगमिक परंपराओं द्वारा निर्धारित होते हैं, और इन्हें कोई गैर-हिंदू नहीं कर सकता, जबकि मैसुरु जिला प्रशासन ने तीन सितंबर को, विपक्षी भाजपा सहित कुछ वर्गों की आपत्तियों के बावजूद, बानू मुश्ताक को औपचारिक रूप से इस आयोजन में आमंत्रित किया था। इसी फैसले को पहले हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां चीफ जस्टिस विभु बाखरू और जस्टिस सीएम जोशी की पीठ ने उसे खारिज कर दिया था। बार एंड बेंच के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने याचिकाकर्ता से पूछा, इस याचिका को दायर करने का उद्देश्य क्या है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा,यह अनुच्छेद मेरे अधिकारों को प्रभावित करता है।

विकास से विंध्य क्षेत्र की बदलेंगे तकदीर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

त्योंथर में न्यू आईटीआई सहित 400 एकड़ में बनाया जाएगा नया औद्योगिक प्रक्षेत्र

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में विकास यज्ञ चल रहा है। विकास का यह कारवां अब रूकेगा नहीं, बल्कि और तेजी से यूं ही चलता रहेगा। विंध्य के विकास में सरकार कोई कसर नहीं रखेगी और हम सब मिलकर विकास परियोजनाओं के जरिए इस क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए त्योंथर में 400 एकड़ उपलब्ध भूमि पर नया औद्योगिक प्रक्षेत्र बनाने, त्योंथर के सिविल अस्पताल को 50 बेड से बढ़ाकर 100 बेडेड करने, त्योंथर में आईटीआई का निर्माण और तमस नदी के तट पर रिवर कॉरिडोर बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने निवेशक फर्म आईओसीजीपीएस रिन्युएबल प्रायवेट लिमिटेड द्वारा करीब 125 करोड़ रूपए की लागत से स्थापित किए जाने वाले कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का भूमिपूजन भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीधी सड़क दुर्घटना में मृत सुश्री लीना वर्मा के परिजन को सरकार की ओर से 4 लाख रुपए की सहायता राशि देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को रीवा जिले के त्योंथर विधानसभा के चाकघाट कृषि उपज मंडी में आयोजित विंध्य विकास संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्या पूजन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने भूतपूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. श्री श्रीनिवास तिवारी की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विंध्य क्षेत्र न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को रोशन करने में अग्रणी है। इस क्षेत्र ने विद्युत उत्पादन, सोलर पॉवर प्रोडक्शन और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऊर्जा उत्पादन में धनी यह क्षेत्र सच्चे अर्थों में देश की ऊर्जा धानी बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास की गतिविधियां तेजी से जारी हैं। बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए त्योंथर को भी उद्योगों की सौगात मिल रही है। आज त्योंथर में 162 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ है। उन्होंने तीन उद्योगपतियों को उद्योग लगाने के लिये भूमि आवंटन पत्र प्रदान किये। हमारी सरकार प्रदेश के भविष्य को सुरक्षित करते हुए विद्यार्थी बच्चों को यूनिफार्म, किताबें, साइकिल, लैपटॉप और स्कूटी सहित स्कॉलरशिप भी दे रही है। डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण का बखूबी ध्यान रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि शेरों का बल, बीरबल की बुद्धि और विंध्य की वाणी हम सभी ने तुलसीदास जी के माध्यम से सुनी है। यहां इन्वेस्टर श्री विनोद अग्रवाल भी आए हैं। ये 125 करोड़ लागत से कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगा रहे हैं। ये किसानों से पराली भी खरीदेंगे। अब किसानों को उनकी खेत में फसल अपशिष्ट (कचरा) से भी आय बढ़ेगी। खेत भी साफ हो जाएगा और पैसे भी मिल जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े गणराज्य के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत तेज गति से प्रगति कर रहा है। वे ग्लोबल लीडर हैं, उन्होंने अपना जन्मदिन मध्यप्रदेश के जनजातीय अंचल धार में मनाया। यहां कपास उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए कपास से कपड़ा बनाने के लिए देश के सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया। राज्य सरकार महिलाओं और युवाओं को विंध्य की धरती पर ही रोजगार दिलाएगी, अब उन्हें कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार ने लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन पर 1500 रुपए दिए। आने वाली दीपावली के बाद भाईदूज से हर माह 1500 रुपए देंगे।

'बैट' नीतिश के हाथ में लेकिन 'बैटिंग' करेगी बीजेपी

बिहार में 'कप्तान' के खुशी-खुशी चार्ज देने के अलग हैं मायने

पहली बार खुद नीतिश कुमार अमित शाह से मिलने होटल पहुंचे

पटना (एजेंसी)। गुरुवार को नीतिश कुमार जब अचानक अमित शाह से मिलने उनके होटल पहुंचे तो यह साफ हो गया कि एनडीए का गेम प्लान अब बदल गया है। नीतिश, भाजपा के साथ सलामी बल्लेबाज तो हैं लेकिन उनका एंड चेंज हो गया है। मैच शुरू होने पर नीतिश पहले स्ट्राइक खुद संभालते थे। अब नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हैं। स्ट्राइक फिलहाल भाजपा संभाल रही है। वह इसलिए क्यों कि भाजपा ज्यादा स्कोर कर रही है। उसका स्ट्राइक रेट भी जदयू से बेहतर है। वह विपक्षी टीम की तेज गेंद का बखूबी सामना कर रही है। टीम के कप्तान नीतिश कुमार तो हैं, लेकिन जीत की वजह भाजपा

की ठोस बल्लेबाजी है। जीत के लिए सिर्फ बेहतर कप्तानी ही जरूरी नहीं, बल्कि स्कोर बोर्ड पर रन भी टांगने पड़ते हैं। रन तो भाजपा बना रही है। इसलिए कप्तान अब राजी-खुशी भाजपा को अहमियत दे रहे हैं। मीटिंग में चर्चा चिराग पासवान की हुई।

2020 में जदयू को भाजपा से एक सीट अधिक- 2020 के विधानसभा चुनाव के समय चिराग पासवान एनडीए से अलग थे। फिर भी उस समय सीट बंटवारे में बहुत खींचतान हुई थी। बहुत जद्दोजहद के बाद जदयू के लिए 122 और भाजपा के लिए 121 तय हुई थीं। जदयू ने अपने कोटे में से 7 सीटें जीतन राम मांझी को दी थीं।

भारत को आंख दिखाने वाले चीन की फंस गई गाड़ी

● 8000 किलोमीटर दूर पोलैंड-बेलारूस बॉर्डर बंद होने से छटपटाया ड्रैगन

नई दिल्ली/बीजिंग/मिंस्क (एजेंसी)। रूस और बेलारूस में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास के बीच पोलैंड ने बेलारूस के साथ अपनी सीमा बंद कर दी है। यह कदम उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो देशों की ओर से अपने हवाई क्षेत्र में घुस आए रूसी ड्रोनों को मार गिराने के बाद उठाया गया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि सीमा बंद करने का फैसला 'राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों' से लिया गया है। मगर, इस कदम से 8,000 किलोमीटर दूर चीन बेहद छटपटा रहा है। चीन जिसकी दबंगई से भारत, ताइवान, फिलीपींस जैसे देश परेशान रहते हैं, वह अब परेशान हो रहा है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि पोलैंड राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से बेलारूस के साथ अपनी सीमा बंद कर रहा है। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए बेलारूस के एक हिस्से का इस्तेमाल मंच के रूप में किया था। 12-16 सितंबर तक रूस और उसके घनिष्ठ सहयोगी बेलारूस के बीच ये सैन्य अभ्यास चला, जिसे जापद 2025 (पश्चिम-2025) के नाम से जाना जाता है।

इसमें लगभग 13,000 सैन्यकर्मियों ने हिस्सा लिया। अभ्यास से पहले, टस्क ने पिछले इन अभ्यासों की निंदा करते हुए उन्हें सैन्य सिद्धांत के नजरिए से बेहद आक्रामक करार देते हुए कहा था कि ये अभ्यास पोलिश सीमा के बेहद करीब हो रहे हैं। पोलैंड यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य है और यूक्रेन का सहयोगी है।

● **चीन के लिए यह छोटी-मोटी बात नहीं, हो रहा परेशान**–फर्स्टपोस्ट के अनुसार, असल में यह सीमा बंद होना चीन के लिए यह कोई छोटी बात नहीं है। आंकड़ों से पता चलता है कि चीन और यूरोपीय संघ के बीच रेल माल ढुलाई की मात्रा 2024 में 10.6 प्रतिशत बढ़ गई। इस बीच, कार्गो का मूल्य पिछले साल 29.54 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। 2023 से 84.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रेल परिवहन अब यूरोपीय संघ और चीन के बीच कुल व्यापार का 3.7 प्रतिशत है, जो 2023 में 2.1 प्रतिशत था। वेबसाइट चाइना डेली ने लिखा है कि हाल के दिनों में पोलैंड में बेल्ट एंड रोड मार्ग पर माल की मात्रा में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है। चीन से पोलैंड तक ट्रेनों ने टीईयू का परिवहन किया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30 °c
न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 20 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

इजरायल से और हेरॉन ड्रोन खरीद रहा भारत

● एंटी टैंक मिसाइलों से करेगा लैस,चीन-पाक के लिए टेंशन!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के खिलाफ सफल इस्तेमाल के बाद और अधिक इजरायली हेरॉन मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) ड्रोन खरीदने की तैयारी में है। साथ ही, इसे हवा से दागी जाने वाली स्पाइक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों से लैस करने की भी योजना बनाई जा रही है, जिससे यह ड्रोन और भी तबाही ला सकेगा। भारतीय सशस्त्र बल पहले से ही तीनों सेनाओं, थल सेना, नौसेना और वायु सेना, के अपने-अपने ठिकानों से हेरॉन ड्रोनों का एक बड़ा बेड़ा संचालित कर रहे हैं। अधिक ड्रोन खरीदने से चीन और पाक जैसे देशों के लिए टेंशन पैदा हो जाएगी, क्योंकि भारत इन ड्रोन का इस्तेमाल दोनों देशों के लिए ही करता है। खुफिया एजेंसियां भी विशेष अभियानों के लिए हेरॉन का इस्तेमाल करती हैं। रक्षा अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है।

मोदी और योगी पर बनी फिल्म न देखें, फिल्म देखने वाले गुनहगार

बरेली में मौलाना शहाबुद्दीन बोले-मुसलमानों का फिल्म देखना शरीयत में नाजायज और हराम है

बरेली (एजेंसी)। बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा- मोदी-योगी पर बनी फिल्म मुसलमान न देखें। मुसलमानों का फिल्म देखना शरीयत की नजर में नाजायज और हराम है। फिल्म देखने वाला गुनहगार होगा। दुनिया आज चांद-सितारों पर पहुंच गई है, लेकिन कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े लोग आज भी धर्म का सहारा लेकर कट्टरपंथी बातें करते हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने भी इसी तरह का बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं तमाम मुसलमानों से, नौजवानों से अपील कर रहा हूं। इस्लाम के जितने भी अनुयायी हैं—महिलाएं हों, मर्द हों, बूढ़े हों, बच्चे हों, जवान हों—इन सबको मैं शरीयत की बात बता रहा हूं कि फिल्म न देखें।

रूसी नागरिकों के लिए भारत में मिल गई बड़ी खुशखबरी!

● अब कर सकेंगे कैशलेस पेमेंट,अभी मजबूरी में रखते हैं कैश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्बेरबैंक ने भारत के क्रेडिट मैनेजमेंट ऐप चेक के साथ साझेदारी की है। इस समझौते के तहत अब भारत आने वाले रूसी पर्यटक कैशलेस पेमेंट कर सकेंगे। बैंक द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह कदम दोनों देशों के बीच मोबाइल बैंकिंग क्षेत्र में आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा। स्बेरबैंक के अनुसार, यह मोबाइल ऐप और एंड्रॉइड दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम पर उपलब्ध है। किसी भी रूसी नागरिक को इस ऐप का उपयोग करने के लिए पासपोर्ट और वैध भारतीय वीजा के साथ रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक ने आगे बताया कि वॉलेट को एक्टिवेट करने के लिए रूसी पर्यटकों को भारत में मौजूद पार्टनर एजेंट से मिलना होगा। इसके लिए ऐप के जरिए ही अपॉइंटमेंट बुक किया जा सकता है। यह सेवा भारत के सभी बड़े शहरों में उपलब्ध होगी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी चुनाव में फिर से भगवा 'राज'

● अध्यक्ष समेत 3 पदों पर एबीवीपी का कब्जा,एनएसयूआई का बना उपाध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के फाइनल नतीजे आ चुके हैं। डूसू चुनाव में भारतीय जनता पार्टी से संबद्ध छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का दबदबा देखने को मिला है। एबीवीपी ने डूसू अध्यक्ष पद के साथ-साथ सचिव और संयुक्त सचिव पद पर भी जीत हासिल की है। एबीवीपी के आर्यन मान ने अध्यक्ष पद पर जोसलीन नंदिता चौधरी को करारी शिकस्त दी। उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस समर्थित स्टूडेंट विंग एनएसयूआई के राहुल झांसला ने जीत दर्ज की है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी की जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश देखने को मिला। एनएसयूआई भी उपाध्यक्ष पद पर जीत के बाद खुशी मनाते नजर आए। राहुल झांसला के समर्थक कैंपस में विवेकानंद की मूर्ति के पास विक्ट्री साइन दिखाते नजर आए। फाइनल नतीजों में डूसू अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के आर्यन मान को 28841 वोट मिले। वहीं एनएसयूआई की जोशलिन नंदिता चौधरी को 12645 मत मिले हैं। इस तरह आर्यन मान ने जोशलिन को करीब 16 हजार वोटों से शिकस्त दी। गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में 50 से ज्यादा सहयोगी कॉलेजों के 2.75 लाख से अधिक छात्रों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया है। 195 बूथों वाले 52 केंद्रों पर 711 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के जरिए मतदान हुआ। अंतिम मतदान 39.45 फीसदी रहा।

जश्न-ए-अदब का कल्चरल कारवां कार्यक्रम

अशोक चक्रधर बोले ; हिंदी दरिद्र नहीं, हिंदी न बोलने वाले करें अपनी दीनता का अनुभव

भोपाल (नप्र)। राजभाषा माह के अवसर पर शुक्रवार को जहांनुमा पैलेस के दरबार सभागार में जश्न-ए-अदब के कल्चरल कारवां का पांचवां संस्करण जोरदार अंदाज में शुरू हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन में साहित्य, संगीत और संस्कृति की रंगीन छटा बिखरी। उद्घाटन सत्र में संस्था के संस्थापक कुंवर रंजीत चौहान, अध्यक्ष नवनीत सोनी, पद्मश्री साहित्यकार प्रो. अशोक चक्रधर, ललित दहिया (प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, मध्य प्रदेश) और साहित्यकार व पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पवन जैन मंचासीन रहे।

हिंदी पर एआई के खतरे और सम्मान पर खुली चर्चा- 'हिंदी हैं हम' विषयक सत्र में हिंदी साहित्यकार डॉ. ओम निश्चल ने राजभाषा हिंदी की यात्रा और वर्तमान चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान पद्मश्री अशोक चक्रधर ने हिंदी पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चैट जीपीटी के असर पर गंभीर चर्चा करते हुए कहा-हिंदी दरिद्र नहीं है, बल्कि हिंदी न बोलने वालों को अपनी दीनता का अनुभव करना चाहिए। उन्होंने नई तकनीक के दौर में हिंदी की संभावनाओं और खतरों पर विस्तार से बात की।

दास्तान-ए-भोपाल से लेकर हिंदुस्तानी ह्यूमर तक- उद्घाटन के बाद पहले सत्र 'दास्तान-ए-भोपाल' में जुबैर आलम और मोहम्मद आसिफ ने शहर की धरोहरों को गीतों और किस्सों के जरिए जीवंत किया। इसके बाद 'हिंदुस्तानी ह्यूमर' सत्र में मशहूर कॉमेडियन रहमान खान ने अपने लाजवाब अंदाज से दर्शकों को खूब गुदगुदाया।

संगीत और कविताओं की शाम

मशहूर गायिका डॉ. विद्या शाह ने अपने गायन से माहौल को सुरमयी बनाया। उन्होंने 'छनन-नन बाजे रे पायलिया', 'दादरा कैसा जादू डारा' और गजलों की पेशकश कर सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिंदवी कवि सम्मेलन में रामायण धर द्विवेदी, रंजन निगम, डॉ. ओम निश्चल, नीलोत्पल मृणाल, मंजर भोपाली सहित कई कवियों ने हिंदी के सम्मान में प्रभावशाली रचनाएं सुनाईं।

प्रो. अशोक चक्रधर ने अध्यक्षीय काव्यपाठ में हास्य-व्यंग्य की रचनाओं से श्रोताओं को खूब लुभाया। पहले दिन के अंतिम सत्र में देश के सुप्रसिद्ध कव्वाल रईस अनीस साबरी ने अपनी सूफियाना गायकी से समां बांध दिया। उनकी प्रस्तुति पर सभागार तालियों से गूंज उठा।

मैं पाकिस्तान गया,वहां बिल्कुल घर जैसा लगा

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा बोले,फिर बढ़ेगा विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा का कहना है कि उन्हें पाकिस्तान और बांग्लादेश में घर जैसा महसूस हुआ। उन्होंने कहा है कि देश की विदेश नीति पड़ोसी पर पहले ध्यान देने वाली होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने नेपाल यात्रा का भी जिक्र किया। भारतीय जनता पार्टी ने उनके बयान पर सवाल उठाए हैं। खास बात है कि पित्रोदा का बयान ऐसे समय पर आया है, जब पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पहले से ज्यादा तल्ख हो गए हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में पित्रोदा ने कहा,मेरे हिसाब से हमारी विदेश नीति पड़ोसी पहले पहले ध्यान देने वाली होनी चाहिए। क्या हम वाकई अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों में सुधार ला सकते हैं। वो सभी छोटे हैं, सभी को मदद की जरूरत है, वो सभी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और लड़ने की जरूरत नहीं है। हां हिंसा की परेशानी है, आतंकवाद की परेशानी है...। उन्होंने कहा, मैं पाकिस्तान गया और मैं आपको बताऊं कि वहां मुझे घर जैसा लगा। मैं बांग्लादेश गया, मैं नेपाल भी गया और मुझे घर जैसा लगा।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने सुसाइड किया

भोपाल (नप्र)। कोलार इलाके में गुरुवार रात कॉलेज छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट बरामद किया है जिसमें उसने लिखा है- आई एम सॉरी मम्मी-पापा, मैं कुछ खास नहीं कर सकी, लव यू। पुलिस अब मोबाइल की सीडीआर व परिजनों के बयान के जरिए खुदकुशी की वजह जानने की कोशिश करेगी।

कोलार थाने के एसआई पप्पू कटियार ने बताया कि 21 वर्षीय आस्था सिंह मूलतः बैतूल की रहने वाली थी। यहां पर वह अपनी मां के साथ कोलार रोड स्थित सिद्धी समृद्धि अपार्टमेंट में रहती थी तथा नीट की तैयारी कर रही थी। उसके पिता अरविंद सिंह बैतूल में बैंक मैनेजर हैं। गुरुवार को मां घर के काम कर रही थी, जबकि आस्था अपने कमरे में थी। कुछ समय बाद मां उसे बुलाने के लिए पहुंची तो दरवाजा भीतर से बंद मिला।

मां ने दी पुलिस को सूचना- आवाज लगाने के बाद भी जब बेटी ने दरवाजा नहीं खोला तो मां ने फोन लगाकर पास ही रहने वाले रिश्तेदार को बुलाया। दरवाजा सेंट्रल लॉक होने के कारण खुल नहीं रहा था। अनहोनी की आशंका के चलते पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खुलवाया तो भीतर आस्था फांसी के फंदे पर लटकी मिली। पुलिस ने पंचनामा बनाकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुसाइड नोट मिला- मौके से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें आई एम सॉरी मम्मी पापा व आई लव यू मम्मी पापा, मैं कुछ खास नहीं कर सकी लिखा है। इसमें आत्महत्या की कोई वजह नहीं लिखी गई है। पुलिस का कहना है कि मृतका के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई जाएगी। इसके साथ ही परिजनों के बयान होंगे, जिसके बाद खुदकुशी के कारणों का पता चल पाएगा।

यूपी में बिजली गिरने से 7 की मौत, मकान जला

● हिमाचल में बादल फटा, लैंडस्लाइड, कई घर हुए तबाह ● उत्तराखंड में 16 घंटे बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदनगर में 18 सितंबर की रात बादल फटा था। इसके बाद से 14 लोग लापता थे। कुछ लोग मलबे में दब गए थे। घटना के 16 घंटे बाद एक शख्स को मलबे से जिंदा रेस्क्यू किया गया। यहां पर 200 लोग प्रभावित हुए हैं। 35 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हैं। देहरादून-मसूरी रोड अभी भी क्षतिग्रस्त है। मसूरी में मौजूद 2 हजार के करीब टूरिस्ट्स सेफ हैं। इधर, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हुआ। कौशांबी में बिजली गिरने से 2 महिलाओं की मौत हुई। इधर, उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। जौनपुर में 3, कौशांबी में 2 और हमीरपुर-चंदौली में 1-1 की जान गई है। प्रतापगढ़ के गोविंदपुर गांव में बिजली गिरने से एक घर में आग लग गई, हालांकि काबू पा लिया गया है। शिमला की लाइफ लाइन कहे जाने वाली सर्कुलर रोड बंद है। एडवर्ड स्कूल की आज और कल की छुट्टी की गई है। कुमारसैन की करेवथी में भी तीन मंजिला मकान धंसा गया। राज्य में बाढ़-बारिश से अब तक 424 लोगों की मौत हो चुकी है। मध्य प्रदेश में इस मानसून सीजन औसत 1097.28 एमएम बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से 187.96 एमएम ज्यादा है। गुना में सबसे ज्यादा 1651 एमएम बारिश हुई। जबकि खरगोन में सबसे कम 665.48 एमएम बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक आज पंजाब के कई जिलों में बारिश का अलर्ट है। भाखड़ा बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। आज बांध का जलस्तर 1677.68 फीट दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 1680 फीट से करीब 2.32 फीट कम है। एहतियातन बांध के चारों फ्लड गेट एक-एक फुट तक खोले गए हैं। फिलहाल बांध में पानी की आमद 56,334 क्यूसेक है,जबकि टरबाइनों और फ्लड गेटों के जरिए 40,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा। यूपी में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। आज 39 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। सोनभद्र में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हो गया। वाटर लेवल 870.4 फीट पार होने पर सिंचाई विभाग ने तीन गेट खोल दिए। यह प्रदेश का सबसे बड़ा बांध है।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा,चोरी होते भी देखता रहा

● राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लगातार दूसरे दिन 'वोट चोरी' और 'वोट हटाने' के मामले पर चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने शुक्रवार को कहा, चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा। राहुल ने एक्स पर 37 सेकेंड की वीडियो क्लिप शेयर की। कैप्शन में लिखा- सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकेंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ- ऐसे भी हुई वोट चोरी! इससे पहले उन्होंने गुरुवार को इस मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त वोट चोरी और वोट डिलीट करा रहे हैं। आरोपों के समर्थन में कर्नाटक के आलंद क्षेत्र के उन वोटरों को भी पेश किया, जिनके नाम हटे हैं।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटर गिरफ्तार

● यूपी के बागपत के रहने वाले,गैंग लीडर ने पुलिस को चैलेंज दिया-बदला लेंगे

बरेली (एजेंसी)। यूपी के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो और शूटरों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को दोनों शूटरों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा है। इनके नाम नकुल सिंह और विजय तोमर हैं। दोनों बागपत के रहने वाले हैं। इन पर एक-एक लाख का इनाम था। दोनों ने 11 सितंबर को दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की थी। इनके दो सीसीटीवी सामने आए थे। इसमें वे बाइक पर जाते हुए नजर आ रहे हैं। बरेली पुलिस ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया है। दोनों शूटरों को बी-वारंट पर बरेली लाया जाएगा। बरेली पुलिस के मुताबिक, दिशा पाटनी के घर दो दिन यानी 11 और 12 सितंबर को फायरिंग हुई थी।

मोदी का फोन, चीन-अमेरिका के भी पहुंचे दूत

नेपाल की पीएम सुशीला कार्की के पीछे खड़े हुए 3 बड़े देश, मुंह ताकते रह गए ओली

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में अपनी सत्ता जाने के बाद केपी ओली शर्मा इसके पीछे विदेशी हस्तक्षेप और साजिश की बात कह रहे हैं। हालांकि पूर्व पीएम ओली की नई सरकार को घेरने की कोशिशों से दूसरे देश प्रभावित नहीं हुए हैं। केपी ओली के इस्तीफे के बाद 12 सितंबर को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं सुशीला कार्की को अपने बड़े पड़ोसियों- भारत और चीन का समर्थन मिला है। वहीं दुनिया की महाशक्ति अमेरिका से भी कार्की को सकारात्मक संदेश आया है। ओली पीएम रहते हुए चीन से नजदीकी बढ़ा रहे थे लेकिन अमेरिका और भारत के साथ-साथ चीन ने भी खुले तौर पर कार्की सरकार के साथ काम करने की इच्छा जताई है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को एक ही दिन में भारत, चीन और अमेरिका से बधाई संदेश आया है। कार्की को पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन किया। इसके बाद इसी दिन चीनी राजदूत चेन सोंग और अमेरिकी राजदूत ने उनसे मुलाकात की।

नगर निगम का खुद का पोर्टल दिवाली से पहले शुरू होने की पूरी संभावना

लोक अदालत में भारी परेशानी के कारण जल्दी शुरुआत होगी

इंदौर। पोर्टल की वजह से परेशानी से जूझता नगर निगम जल्द ही स्वयं का सिस्टम शुरू कर सकता है। बताया जा रहा है कि दिवाली से पहले नया सॉफ्टवेयर निगम स्वयं का चालू करेगा। इसके लिए लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है।

इस महीने संपन्न हुई लोक अदालत में भारी परेशानी के चलते भी निगम अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर शुरू करेगा। निगम अधिकारियों का कहना है कि धीरे-धीरे भोपाल पर निर्भरता खत्म की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, इसी महीने लगी लोक अदालत में जहां एक और करदाता टैक्स जमा करने के लिए परेशान होते रहे, वहीं दूसरी और पोर्टल की वजह से भी निगम

का खजाना खाली रह गया। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि निगम अपने टारगेट से कोसों पीछे रहा।

बताया जाता है कि पोर्टल बंद होने की शिकायत को लेकर बार-बार फोन भोपाल लगाया जाता रहा है। कभी तो फोन रिसीव नहीं किया गया तो कभी फोन रिसीव कर ई-पोर्टल चालू करने की बात होती रही है। भोपाल भरोसे रहने के कारण नगर निगम यह तीसरी लोक अदालत में सफलता राजस्व वसूली नहीं कर पाया है। निगम की मंशा थी कि किसी भी तरह से समझौता करके 40 से 50 करोड़ के आस-पास कमाई की जा सकती है, लेकिन मात्र पंद्रह से बीस करोड़ भी सभी 22 झोन की रकम इकठ्ठी नहीं हुई है। हालांकि निगम द्वारा दावा तो ज्यादा किया जा रहा है, लेकिन रकम नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। निगम की आर्थिक हालत पहले ही खराब है और ऊपर से लोक अदालत में भी लगातार यह तीसरी मर्तबा विफलता हाथ लगी है।

आईटी विभाग काम कर रहा - सूत्र बताते हैं कि सॉफ्टवेयर अब किसी भी हालत में निगम तैयार करने जा रहा है और यह भी कहा जा रहा है कि इस महीने इसे शुरू भी किया जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी प्रभारी राजेश उदावत ने बताया कि हमारा प्रयास है कि हम लोग कब तक भोपाल भरोसे रहेंगे सॉफ्टवेयर पर तेजी से काम चल रहा है। अब संभावना है कि इसे महीने इसे शुरू किया जा सकता है। अगर सॉफ्टवेयर में किसी तरह की परेशानी आती है तो हम लोग इसे यहीं पर सुधार सकते हैं।

सुमित्रा महाजन को मानद डी-लिट उपाधि

मुंबई। पद्म भूषण से सम्मानित एवं जननायिका के रूप में पहचानी जाने वाली सुमित्रा महाजन को एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा मानद डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी-लिट) की उपाधि प्रदान की जाएगी। यह सम्मान 23 सितम्बर को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस द्वारा प्रदान किया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि महाजन का सार्वजनिक जीवन, राजनीति एवं समाज सेवा में असाधारण योगदान रहा है। महिलाओं के उत्थान और शिक्षा के क्षेत्र में उनके प्रयासों ने समाज में नई दिशा दी है। उनके सम्मान से विश्वविद्यालय परिवार और छात्राएं ही नहीं बल्कि पूरा देश गौरवान्वित महसूस कर रहा है। यह उपाधि उनके लंबे सामाजिक और राजनीतिक जीवन की उपलब्धियों का प्रतीक मानी जा रही है।

एलएनसीटी कॉलोनी में दो माह से बिजली-पानी बंद, रहवासी परेशान

इंदौर। गांधीनगर स्थित एलएनसीटी कॉलोनी के रहवासी पिछले दो महीनों

से गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यहां बिजली, पानी, लाइट और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ठप है। रहवासी संघ द्वारा पहले कॉलोनी का मेंटेनेंस किया जाता था, लेकिन आरोप है कि अध्यक्ष ने लगभग 7 से 10 लाख रुपये का गबन कर इस्तीफा दे दिया और उप पंजीयक सहकारी संस्था को पत्र सौंपकर जिम्मेदारी छोड़ दी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अध्यक्ष ने कॉलोनी के खाते से अवैध रूप से राशि निकाली और गार्डन की जमीन पर कब्जा कर लिया। इसके अलावा फ्लावर बेड और पार्कों को भी नष्ट कर दिया गया। स्थिति यह है कि रात में कॉलोनी अंधेरे में डूबी रहती है और चोरियां बढ़ गई हैं। मजबूरन लोग रोजाना टैंकर बुलाकर पानी की जरूरत पूरी कर रहे हैं। **प्रशासन ने संज्ञान नहीं लिया** - निवासियों ने इस मामले की शिकायत जनसुनवाई पोर्टल, कलेक्टर और सहकारी संस्था के उप पंजीयक से की, लेकिन डेढ़ माह बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। सरपंच का कहना है कि यह क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, जबकि विधायक स्तर पर मामले को राजनीतिक कारणों से अनदेखा किया जा रहा है। **ट्रस्ट ने उठाए सवाल** - श्री लक्ष्मीनारायण देवस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष ने भी इस मुद्दे पर आवाज उठाई है। उनका कहना है कि मेंटेनेंस शुल्क की बड़ी राशि गबन की गई है। पंकज कासलीवाल की मल्टी पर साढ़े आठ हजार रुपये प्रतिमाह मेंटेनेंस लगता है, जबकि उन्होंने सिर्फ 2500 रुपये जमा किए। इसी तरह बागवाला परिवार का 47 हजार प्रतिमाह बकाया है, जो अब तक नहीं चुकाया गया। निवासियों का कहना है कि कुल घपला करीब 9 लाख रुपये का है और इसकी जांच किसी शासकीय एजेंसी से कराई जानी चाहिए। नवरात्रि जैसे पर्व के बीच कॉलोनी में अंधेरा और असुविधा चिंता का विषय है।

खस्ताहाल सड़क पर हादसा

इंदौर। शहर की सड़कों की बदहाल स्थिति एक बार फिर हादसे का कारण बनी। फूटी कोठी चौराहे से गोपुर चौराहे की ओर बने ओवरब्रिज के नीचे पूरे मार्ग पर फेंसिंग कर स्थायी ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। वाहनों को सर्विस रोड पर डायवर्ट किया गया। लेकिन, सर्विस रोड पर जगह-जगह गड्ढे, मिट्टी के ढेर और दुकानों के सामने अव्यवस्थित पार्किंग ने यातायात को बेहद खतरनाक बना दिया है। इस वजह से गुरुवार देर शाम एक एमजी हेक्टर कार अनियंत्रित होकर पलट गई। गनीमत रही कि कार सवार सुरक्षित बच निकले, लेकिन हादसे ने प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोल दी। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि सड़क पर महीनों से मिट्टी और गड्ढे बने हुए हैं, बावजूद इसके निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन अनदेखी कर रहे हैं।

चेक बाउंस मामले में विधायक सुरेंद्र पटवा को कोर्ट से राहत

इंदौर। भोजपुर से भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा को इंदौर की एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। करोड़ों रुपये के चेक बाउंस मामले में कोर्ट ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत ने दलीलों पर विचार करते हुए उन्हें जमानत दे दी। आदेश के मुताबिक पटवा को 19 सितंबर तक अदालत में पेश होना था, लेकिन वे अपने वकील के साथ एक दिन पहले ही कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के बाद न्यायाधीश देव कुमार की अदालत ने उन्हें जमानत प्रदान कर दी। करोड़ों रुपये के चेक बाउंस से जुड़े इस मामले में कोर्ट ने पहले पटवा की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था। गुरुवार को विधायक ने अपने वकील के माध्यम से जवाब पेश कर पक्ष रखा। मीडिया से बातचीत में पटवा ने कहा कि 2016 की नोटबंदी और कोरोना महामारी के चलते उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ। उनका व्यापार महिंद्रा एंड महिंद्रा, पॉलीमर और फार्मा से जुड़ा है, जिसमें आर्थिक संकट के कारण कठिनाइयां आईं। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि देशभर के हजारों व्यापारियों की रही है। पटवा ने स्पष्ट किया कि उन्हें उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश मिला हुआ है और सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, अदालत का जो भी निर्णय होगा, मैं उसका सम्मान करूंगा।

पेंटर ने फांसी लगाई, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर। स्कीम नंबर 140 में रहने वाले पेंटर बाबू बौरासी ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार बाबू शुक्रवार सुबह घर से निकला था और देर रात करीब एक बजे लौटा। बड़ी बहन ने उसे खाना दिया था, लेकिन रात ढाई बजे जब पिता की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि बाबू किचन में फांसी पर लटका है। तुरंत पुलिस और आसपास के लोगों को सूचना दी गई। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन तनाव में होने की बात सामने आई है। पुलिस ने बाबू का मोबाइल जब्त कर लिया है और उससे जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है। परिजनों के बयान भी लिए जा रहे हैं। इधर, खजराना स्थित गणेश मंदिर के पास रहने वाली 56 वर्षीय अंजू पति राजू की भी अस्पताल में मौत हो गई। वह गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई थी और सिर में चोट लगने के बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

9वीं से 12वीं तक के छात्रों को अव्वल आने में आदर्श प्रश्न बैंक मदद करेगा

प्रश्न का सटीक और सही उत्तर उचित भाषा में लिखने में मदद करेगी

इंदौर। हाई स्कूल और हायर सेकंडरी के छात्रों को सटीक और सही भाषा में प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आदर्श प्रश्न बैंक तैयार की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह आदर्श प्रश्न बैंक 9वीं से 12वीं तक के छात्रों का मार्गदर्शन कर उन्हें अच्छे अंक लाने के लिए बेहतर साबित होगी। इसमें हर विषय से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों को शामिल किया जाएगा और उनके वैज्ञानिक व सटीक उत्तर भी दिए जाएंगे। जानकारी अनुसार इंदौर जिले के शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए उपयोगी पहल शुरू की जा रही है। इससे हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में छात्रों की परीक्षा की तैयारी और भी आसान होगी। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन की पहल पर आदर्श प्रश्न बैंक तैयार कराई जाएगी। इसकी खास बात यह होगी कि प्रत्येक प्रश्नों के उत्तरों पर फोकस रहेगा सभी विषयों के चुनिंदा प्रश्नों के उत्तर बेहतर और आसान भाषा में लिखे जाएंगे, ताकि विद्यार्थी आसानी से तैयारी कर सके। छात्रों के मन में परीक्षा को लेकर जो दुविधा रहती है, वह भी दूर होगी। **सटीक प्रश्नों को चुना जाएगा**- बताया जा रहा है मानक उत्तर का अभ्यास करने से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। राज्य स्तर पर पेपर तैयार करने का अनुभव रखने वाले जिले के 60 से अधिक शिक्षक इस काम को करेंगे। वे हर विषय से ऐसे प्रश्न चुनेंगे, जो परीक्षा में बार-बार पूछे जाते हैं या फिर जिनका अध्ययन छात्रों के लिए जरूरी है। ऐसे सभी प्रश्नों के उत्तर आसान लिखे जाएंगे। यह प्रश्न बैंक तैयार कर ली जाएगी और सभी शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को यह उपलब्ध कराई जाएगी। अक्टूबर से हर स्कूल में अभ्यास और प्रशिक्षण भी कराया जाएगा, ताकि बच्चे इसे नियमित रूप से पढ़े और परीक्षा की बेहतर तैयारी कर सकें। **स्कूलों में एक्स्ट्रा क्लास**- इसके अभ्यास के लिए स्कूलों में एक घंटे की अतिरिक्त कक्षाएं भी संचालित करने की योजना है। जिले में सभी विद्यार्थियों को प्रत्येक विषयों का नियमित अभ्यास कराया जाएगा, ताकि उनकी दुविधा दूर हो सके । इससे पढ़ाई आसान होगी, बल्कि शासकीय स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता भी बेहतर होगी। आमतौर पर स्कूलों में बच्चे कॉपियों में सही नोट तैयार नहीं कर पाते हैं, ऐसे में पढ़ाई के दौरान अन्य माध्यमों से पढ़ाई करते हैं। ऐसे में वे जानकार भी सही उत्तर नहीं लिख पाते हैं। इस पहल से वे सही उत्तर जान सकेंगे और समझ सकेंगे।

सोयाबीन फसल बर्बादी पर कांग्रेस का हंगामा, मुआवजा देने की मांग

इंदौर। प्रदेश में हुई अतिवृष्टि और कीट प्रकोप से सोयाबीन की फसल बर्बाद होने के बाद किसानों की परेशानियां बढ़ गई हैं। हालांकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सर्वे कर मुआवजा देने के निर्देश दिए थे, लेकिन किसानों को अब तक राहत नहीं मिली। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर सड़क पर उतर आई। इंदौर कांग्रेस नेताओं ने खराब हुई सोयाबीन की फसल के पौधे लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पर पहुंचकर जोरदार नारेबाजी की और सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। मुख्यमंत्री स्वयं इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री हैं, इसके बावजूद यहां के किसान मुआवजे के लिए दर-दर

भटक रहे हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सोयाबीन की फसल पीला मोज़ेक रोग और कीड़े की चपेट में आ गई है, खाद और अन्य संसाधनों की भी भारी कमी है, लेकिन सरकार चुपचाप बैठी हुई है। किसानों को तत्काल राहत की आवश्यकता है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में किसानों को उचित मुआवजा और खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की गई। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि 7 दिन में मांगें पूरी नहीं की गई तो कांग्रेस पूरे इंदौर में बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि यदि स्थिति बिगड़ती है तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

एमवाय अस्पताल में स्वच्छता निरीक्षण, कैंटीन, एचएलएल कंपनी पर जुर्माना

इंदौर। स्वच्छता उत्सव के तहत एमवाय अस्पताल में बुधवार को डीन डॉ अरविंद घनघोरिया और अधीक्षक डॉ बसंत निगवाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल परिसर और भवन की साफ-सफाई का जायजा लिया गया। निरीक्षण में गंदगी मिलने पर कैंटीन संचालक पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। वहीं, अपेक्षित सफाई न मिलने पर एचएलएल कंपनी पर भी 10 हजार रुपए का दंड लगाने के आदेश दिए गए। डीन डॉ घनघोरिया ने अस्पताल की बेसमेंट से लेकर छठवीं मंजिल तक निरीक्षण किया। छठवीं मंजिल स्थित डायलिसिस यूनिट में कबूतरों की समस्या को रोकने हेतु शेड पर जाली लगाने और तलघर के डक्ट, खिड़कियों व फ्लोर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, सफाई का दैनिक ब्यौरा और अटेंडेंस शीट प्रस्तुत करने को भी कहा। इसके अलावा प्रथम तल पर नई ओटी का अवलोकन कर टॉयलेट, वॉशरूम और पेंट्री के रिनोवेशन कार्य को 5 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार को दिए गए। विभाग ने समय पर कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया। डीन डॉ घनघोरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप अस्पताल में जनहित और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। निरीक्षण में एसडीएम प्रदीप सोनी, डॉ जितेंद्र वर्मा, डॉ खचारिया, मकवाना, रामकुमार सविता, रमेश जाट और जितेंद्र रावत भी उपस्थित थे।

लापता युवक की झाड़ियों में लाश मिली

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जब डीपीएस स्कूल के पास खाली पड़े मैदान की घनी झाड़ियों में एक युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान अतुल पवार निवासी परिवहन नगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शव खून से सना हुआ था और पास ही सड़क पर एक लावारिस एक्टिवा भी पाई गई। जांच में सामने आया कि अतुल मंगलवार शाम 6 बजे से घर से लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी थी। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है, हालांकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री पर सख्ती, आयुक्त ने निर्देश दिए

इंदौर। शहर में नो एंट्री व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि शहर के विभिन्न स्थानों पर बने एंट्री प्वाइंट और सड़कों को भारी वाहनों के प्रतिबंधित मार्ग के रूप में चिन्हित किया गया है। इसके बावजूद कई बार भारी वाहन नो एंट्री जोन में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे हादसों और जाम की स्थिति पैदा होती है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि सभी क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, यातायात प्रभारी और बीट प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में नो एंट्री नियम का उल्लंघन न हो। यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित थाने के अधिकारी और यातायात विभाग के कर्मचारी अनुशासनात्मक कार्रवाई के दायरे में आएंगे। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी थाना प्रभारी आगामी 10 दिनों तक विशेष रूप से रोल कॉल के माध्यम से अपने अधीनस्थ स्टाफ को निर्देशित करें और नो एंट्री व्यवस्था का पालन सुनिश्चित कराएं। वरिष्ठ अधिकारियों को भी नियमित रूप से निरीक्षण कर नियमों के पालन की स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं।

गरीब महिला के अंतिम संस्कार में खाकी वर्दी का मानवीय चेहरा दिखा

इंदौर। शहर में इंसानियत और संवेदनशीलता का भावनात्मक उदाहरण सामने आया, जब पुलिस और समाजसेवियों ने मिलकर एक गरीब महिला का अंतिम संस्कार कराया। कर्नाटक से आए मजदूर की पत्नी का इलाज के दौरान एमवाय अस्पताल में निधन हो गया था। जानकारी के अनुसार, मैसूर का यह मजदूर पत्नी के इलाज के लिए बच्चों के साथ इंदौर आया था। आर्थिक तंगी के चलते वह पत्नी का अंतिम संस्कार करने में असमर्थ था और अस्पताल परिसर में भटक रहा था। इस स्थिति को देखकर एमवाय अस्पताल चौकी प्रभारी वसुंधरा बघेल और उनकी टीम ने पहल की। उन्होंने श्री एकाक्ष सामाजिक सेवा संस्था से संपर्क किया, जिसके कार्यकर्ताओं ने निःशुल्क एम्बुलेंस उपलब्ध करवाई और शव को बाणगंगा मुक्तिधाम पहुँचाकर पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार कराया। मानवीय पहल यहीं नहीं रुकी। संस्था के कार्यकर्ताओं ने मजदूर को आर्थिक सहयोग भी दिया, ताकि वह बच्चों के साथ सुरक्षित अपने गाँव लौट सके। इस घटना ने साबित कर दिया कि खाकी वर्दी केवल कानून और सख्ती का प्रतीक नहीं, बल्कि करुणा और संवेदनशीलता की मिसाल भी है।

मानपुर से पुलिस ने युवक को मुक्त कराया, दो अभी फरार

लेनदेन विवाद में युवक को 7 दिन बंधक बनाकर रखा, 3 गिरफ्तार

इंदौर। रुपए के लेनदेन के विवाद में राजस्थान के प्रतापगढ़ निवासी एक युवक को सात दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया। पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इंदौर के तीन आरोपियों को मानपुर से गिरफ्तार कर पीड़ित को मुक्त कराया। इंदौर और देवास के दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। रतलाम के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 14 सितंबर को फरियादी निर्मला बाई मेघवाल ने पुलिस चौकी ढोढर पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पति बालूराम मेघवाल (45) निवासी सांकरिया, प्रतापगढ़ को 11 सितंबर को कुछ अज्ञात लोग कार में बैठाकर ले गए। इस पर

थाना रिंगनोद में अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। **मानपुर से छुड़ाया गया**- पुलिस ने इंदौर, पीथमपुर, चोरल और मानपुर इलाके में लगातार सर्चिंग की। 17 सितंबर की रात को मानपुर के पास से पीड़ित बालूराम को आरोपियों के कब्जे से छुड़ाया गया। मौके से तीन आरोपी नरेन्द्र उर्फ सरदार सिंह चौहान (33), युवराज उर्फ टिम्मा (18) और अभिषेक चौहान (18) सभी इंदौर निवासी को गिरफ्तार किया गया। **दो आरोपी अभी फरार**- आरोपी राहुल अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया, जबकि देवास निवासी सोनू उर्फ मुनीर की तलाश जारी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि अपहरण की वजह पुराने रुपए के लेन-देन का विवाद था। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड लिया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी आनंद सिंह आजाद और सायबर सेल सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

संपादकीय

चुनाव आयोग जांच तो करे !

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने 'वोट चोरी आरोप अभियान' के दूसरे चरण में एक और बम फोड़ा। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन देने के साथ यह दावा किया कि कर्नाटक और महाराष्ट्र में ऑनलाइन तरीके से उन वोटरों के नाम हटा दिए गए, जो कांग्रेस समर्थक थे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा आरोप लगाया कि वो 'वोट चोरी को संरक्षण' दे रहे हैं। राहुल ने यह कहकर भी चौंकाया कि ये सारे आंकड़े उन्हें चुनाव आयोग से ही मिल रहे हैं। इन आरोपों के जवाब में हमेशा की तरह चुनाव आयोग ने कहा कि राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद हैं। वोटर लिस्ट से ऑन लाइन किसी का नाम नहीं हटाया जा सकता। साल 2023 में कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम डिलीट करने के कुछ असफल प्रयास हुए थे। इस मामले की जांच के लिए खुद चुनाव आयोग ने एफआईआर दर्ज करवाई थी। 2023 के चुनाव में यहां से कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत हासिल की थी। इसके पूर्व दिल्ली में अपनी पत्रकार वार्ता में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से कांग्रेस समर्थक वोटरों के नाम फर्जी लॉग-इन के जरिये डिलीट किए गए। चोरी किए गए वोट महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के हैं और टारगेट करके डिलीट किए गए हैं। प्रेजेंटेशन के पहले राहुल गांधी ने कहा कि ये हाइड्रोजन बम नहीं है। हाइड्रोजन बम तो आने वाला है। कर्नाटक की अलंद सीट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक के इस निर्वाचन क्षेत्र में किसी ने 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। हमें पता नहीं कि 2023 के चुनाव में अलंद में कुल कितने वोट हटाए गए थे। वे 6,018 से बहुत ज़्यादा हैं। यह मामला संयोग से पकड़ा गया, जब वहां के बूथ स्तरीय अधिकारी ने देखा कि उनके अंकल का वोट हटा दिया गया है। उसने जांच की तो पता चला कि एक पड़ोसी ने वह वोट हटाया था। पड़ोसी से पूछा तो उसने भी कहा कि मैंने नहीं हटाया। यानी किसी और ताकत ने प्रक्रिया को हाईजैक कर वोट हटा दिए। यही नहीं उन्होंने सोशल मीडिया पर जेन जी से आह्वान किया कि वह संविधान बचाने आगे आए। इस पर भाजपा प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी न तो संविधान को समझते हैं और न ही चुनाव प्रक्रिया को। अगर जनता उन्हें वोट नहीं देती तो हम क्या करें? राहुल के आरोपों में कितनी सच्चाई है, कहना मुश्किल है, लेकिन वो इसका राजनीतिक उद्देश्य से बड़ी कुशलता से इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछली बार भी उन्होंने ऐसे ही आरोप लगाए थे। जब चुनाव आयोग ने उनसे हलफनामा देने को कहा तो वो मुकर गए। राहुल की रणनीति साफ है, वो माहौल बनाते रहेंगे। यह जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है कि वो सारे आरोपों की निष्पक्ष जांच करवाकर दूध का दूध और पानी का पानी करे। केवल आरोपों को खारिज करने अथवा सफाइयां देने से कुछ नहीं होगा। आयोग आरोपों की सत्यता की जांच कर निष्कर्ष देश के सामने रखे। अगर कहीं कोई गड़बड़ी? नहीं है जांच करवाने में दिक्कत क्या है? सच्चाई सामने रखने पर राहुल के आरोपों की पोल स्वतः खुल जाएगी। राहुल के पीछे कुछ ताकतें काम कर रहीं हैं। जिनका मकसद देश का माहौल खराब करना है। लेकिन यदि आयोग के मन में कोई काला नहीं है तो जांच करवाने में परेशानी क्या है? जांच न करने से तो यही संदेश जा रहा है कि आयोग कहीं न कहीं कुछ छिपा रहा है। यह चिंताजनक स्थिति है और भारतीय चुनाव प्रणाली की प्रामाणिकता पर प्रश्न चिन्ह भी है।

सबल भारत की बुनियाद है सामाजिक समरसता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जिसके स्थापना की बुनियाद ही संगठित तथा सशक्त हिन्दू समाज का निर्माण रहा है, समता और समरसता के अमृतत्व से मानव को सांस्कृतिक एकता के एक सूत्र में पिरोने के दैवीय कार्य में अनवरत है। सामाजिक समरसता ही भारतवर्ष की एकता का मूल तत्व तथा सबल एवं सुदृढ़ भारतवर्ष की बुनियाद बनेगा। समरस समाज की संरचना हेतु आरएसएस के स्वयंसेवकों ने सम्पूर्ण भारत में त्याग, तपस्या और संघर्ष का आदर्श प्रस्तुत किया है। आरएसएस अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के लक्ष्यों समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली एवं नागरिक अनुशासन में सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक समरसता के जरिए हिन्दू समाज में बदलाव के जरिए भारतवर्ष के परम वैभव को कृत संकल्पित है।

नजरिया

डॉ. सत्येन्द्र किशोर मिश्र

प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन

एक संगठित समाज के स्वस्थ व सबल होने की प्रथम शर्त ही सामाजिक समरसता एवं सद्भाव है। विदेशी षड्यंत्रों, विकृत परंपरा एवं आचरण ने हिन्दू समाज का ताना-बाना सदियों तक बिगाड़े रखकर, भारतीय समाज साथ ही भारतवर्ष को कमजोर बनाए रखा। जातिगत अहंकार तथा अस्पृश्यता जनित अमानवीय आचरण के कारण विखण्डित हिन्दू समाज, भारत राष्ट्र की दुर्बलता का कारण था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जिसके स्थापना की बुनियाद ही संगठित तथा सशक्त हिन्दू समाज का निर्माण रहा है, समता और समरसता के अमृतत्व से मानव को सांस्कृतिक एकता के एक सूत्र में पिरोने के दैवीय कार्य में अनवरत है। सामाजिक समरसता ही भारतवर्ष की एकता का मूल तत्व तथा सबल एवं सुदृढ़ भारतवर्ष की बुनियाद बनेगा। समरस समाज की संरचना हेतु आरएसएस के स्वयंसेवकों ने सम्पूर्ण भारत में त्याग, तपस्या और संघर्ष का आदर्श प्रस्तुत किया है। आरएसएस अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के लक्ष्यों समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली एवं नागरिक अनुशासन में सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक समरसता के जरिए हिन्दू समाज में बदलाव के जरिए हेतु भारतवर्ष के परम वैभव को कृत संकल्पित है।

भारत भूमि में हिन्दू होना अपने आप में एक व्यापक तथा पवित्र उत्तरदायित्व है, जीवन का विस्तार है। हिन्दू स्वयं से प्रश्न करता है और उसके समाधान हेतु जगत व्यवहार करता है, कि जीवन में जो कुछ भी प्राप्त है, उसके प्रति उसका उत्तरदायित्व क्या है? जड़ के साथ, चेतन सहित समस्त प्राणी मात्र के साथ-साथ स्वयं के प्रति व्यवहार की सतत प्रक्रिया ही जीवन है और इसमें जो सहअस्तित्व तथा सामंजस्य का मार्ग प्रशस्त करे वही हिन्दुत्व है। पग-पग पर जो, समाज तथा राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्व का अनुभव करे वह हिन्दू है। व्यष्टि से समष्टि का जो जोड़ते चले वह हिन्दू है। जो समरस तथा भेदभाव रहित न्यायपूर्ण हिन्दू समाज का मार्ग प्रशस्त करे, वही हिन्दुत्व है।

अनेक जाति, मत, पंथ एवं संप्रदाय को अपने में समेटे तथा आत्मसात करे विशाल समरस हिन्दू समाज सनातन है। प्रायः सामान्य हिन्दू जनमानस को इन सांप्रदायिक परम्पराओं एवं मत-पंथों के विषय में विशेष ज्ञान नहीं रहा है और न ही वह इनके विषय में कुछ अधिक जानने को कभी चिंतित रहा। एक सामान्य हिन्दू धर्म-दर्शन की गूढ़ पद्धतियों के विषय में बहुत कुछ नहीं जानता, वह द्वैत-अद्वैत, विशिष्टाद्वैत तथा शुद्धाद्वैत इत्यादि की भिन्नताओं को भी नहीं समझता, और न ही शैव, शाक्त, वैष्णव में भेद अथवा ऋषि, मुनि, संत, संन्यासी के भेद को जानता है। उसे प्राचीन संन्यास अथवा अर्वाचीन संन्यास परंपरा में बहुत दिलचस्पी नहीं रहती तथा जानता भी नहीं है। परन्तु हिन्दू जनमानस में व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवनमूल्यों तथा लोकव्यवहार सामाजिक समरसता तथा सहअस्तित्व का आदर्श रचा बसा रहा है। हिन्दुत्व का संघर्ष सहअस्तित्व, सद्भाव तथा सामंजस्य जैसे जीवनमूल्यों के वैशिष्ट्य का संघर्ष है। हिन्दुत्व समग्रता

में मानव के व्यक्तित्व को विराट के साथ जोड़ने का एक बोध है। यह बोध लोक परम्परा और शास्त्र परम्परा दोनों में समाहित है। इसका संरक्षण ही हिन्दुत्व है और इसके छूटने की वेदना ही हिन्दुत्व की कवच है। हिन्दू एक जीवन दृष्टि, भाव और व्यवहार है। हिन्दुत्व वाह्यान्तर अनुसंधान एवं विकास की एक चिरन्तर धारा है जो युगों-युगों से प्रवाहित होती रही है।

सामूहिकता में हिन्दू समाज कभी भी किसी एक खास व्यक्ति के ही पीछे भी नहीं खड़ा था, परन्तु प्रतिकूल कठोरतम परिस्थितियों में भी वह अपने जीवनमूल्यों के प्रति सजग रहा। उसके लिए हिन्दू होने का अर्थ है सदाचार, आत्मा का अमरत्व, कर्म और पुनर्जन्म में विश्वास, लोकजीवन के प्रपंचों से दूरी। हिन्दुत्व सम्पूर्ण जड़-चेतन में आत्मभाव देखकर आचरण करता रहा है। जातिवाद, क्षेत्रवाद, रंग-भेद जैसी अनेक विभाजनकारी विकृतियों के मध्य हिन्दू जनमानस जीवनमूल्यों तथा राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति अडिग रहा। हिन्दू उत्थान पतन के भीषण झंझावातों के मध्य सनातन संस्कृति की पूर्णता अक्षुण्य बनी रही। इसके मूल में ऋषियों, मुनियों, संतों तथा दार्शनिकों की सत-चित-आनंद की साधना की अविनाशी आत्मानुभूति से ओतप्रोत रही है। सत, सत्य का साक्षात्कार है, यह सत ही ऋतु है; चित कुंठित जड़ता से मुक्ति की चेतना है; आनंद वैविध्य में एकत्व की अवस्था है। इसी अविनाशी आत्मानुभूति से अनेक सम्प्रदाय और मत-मतान्तर अस्तित्व में आए। वैष्णव, शैव, शाक्त, द्वैत-अद्वैतवाद इत्यादि के साथ-साथ जैन, बौद्ध, सिक्ख धाराएँ भी हिन्दू धर्म से ही प्रवाहमान हुई। इसी पूर्णता के भाव से हिन्दुत्व सदैव जीवंत और गतिमान तथा सनातन है।

हिन्दू धर्म की सनातनता इसलिए है की इसका न कोई संस्थापक है और न इसके उदभव का विशेष कारण है, जबकि विश्व के जितने भी तथाकथित धर्म हैं उनका कोई न कोई संस्थापक रहा है और उसके अस्तित्व में आने का कोई न कोई कारण रहा है, वस्तुतः ये सभी पंथ हैं। किसी पंथ या सम्प्रदाय के कुछ अनुयाई होते हैं जो एक निश्चित उपासना पद्धति अपनाते हैं उनका एक देवता, देवदूत या गुरु होता है, एक पवित्र पुस्तक होती है, इनके रास्ते बनते बिगड़ते रहते हैं, लुप्त भी हो सकते हैं, जबकि हिन्दुत्व शाश्वत है, सनातन है। यही हिन्दू समाज की समरसता तथा सहअस्तित्व के सनातन रहने का संदेश है।

भारत भूमि के इतिहास में, संस्कृति में, परम्परा में और परिवेश में जो कुछ भी पल्लवित-पुष्पित हुआ है वह सब हिन्दू है। हिन्दू, भारत की राष्ट्रीय चेतना की एकात्मता का मंत्र है। हिन्दू धर्म की सनातनता के लिए आवश्यक है की समृद्ध भारतीय सांस्कृति को युगोचित भूमि पर विकसित करे। लोकतंत्र और विज्ञानं के इस युग में समरसता एवं सहअस्तित्व का भाव हिन्दू समाज से ही मिल सकेगा। मध्यकाल में दक्षिण भारत के आलवार वैष्णव संतों तथा नायनार शैव संतों की भक्ति धारा को रामानंद जैसे भक्त उत्तर भारत में विष्णु के स्थान पर राम की भक्ति को जन जन, घर-घर तक पहुँचाकर संपूर्ण उत्तर-पूर्वी भारत में एकत्व का प्रसार किया। कबीर, तुलसी, रैदास, रसखान, दादू, सेन, धन्ना जैसे संतों के भक्ति रस में जातीय द्वेष, भेदभाव तथा संघर्ष के अंधकार की जगह समरस समाज के जरिए भारत अडिग तथा अटूट रहा। संगठित हिन्दू समाज हेतु सम्यक जीवनदृष्टि एवं जीवन मूल्य और हिन्दु निष्ठ व्यवहार के प्रति जागरुक होना आवश्यक है।

भारत के विश्व गुरू के रूप में प्रतिष्ठित होने के उपक्रम में समरस आचरण तथा व्यवहार जैसे जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना जरूरी है। सुसंस्कृत, सजीव, आनंदमय तथा प्रगतिशील समाज की पूर्व शर्त सामाजिक समरसता ही है। भारतीय संस्कृति के मूल तत्व सामाजिक समरसता के मूलमंत्र 'जाति पाँति पूछे नहि कोई, हरि को भजे सो हरि का होई' के साथ आरएसएस एक भारत को सशक्त, सुसंस्कृत तथा प्रगतिशील राष्ट्र बनाने हेतु आगे बढ़ चुका है। भारतवर्ष में ऐसे समरस हिन्दू समाज में जाति, धर्म, क्षेत्र अथवा लिंग के आधार पर भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं होगा। अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने के साथ आरएसएस समाज के सभी वर्गों में सामाजिक सद्भाव, स्नेह एवं सहयोग की भावना के उन्नयन हेतु संवाद एवं संपर्क बढ़ाने के साथ-साथ उनके कल्याण की चिंता कर परम वैभवशाली भारतवर्ष गढ़ने हेतु समरस हिन्दू समाज की स्थापना को कृत संकल्पित है।

जीएसटी 2.0

अर्थव्यवस्था की नई राह या राजस्व का नया संकट?

ममता कुशवाहा

लेखक शिक्षिका हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था बीते एक दशक से बड़े कर सुधारों के दौर से गुजर रही है। इनमें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सबसे व्यापक और महत्वाकांक्षी सुधारों में गिना जाता है, जिसने केंद्र और राज्यों के अप्रत्यक्ष कर ढांचे को एकीकृत कर दिया। वर्ष 2017 में लागू हुए इस कर ढांचे ने एक नई कर संस्कृति को जन्म दिया, जिसमें बहुस्तरीय करों की जगह एकीकृत प्रणाली अस्तित्व में आई। किंतु समय के साथ इस व्यवस्था की चुनौतियाँ भी सामने आई- जटिल कर दरें, राजस्व संग्रहण में असमानता, कर चोरी की प्रवृत्ति और उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ। ऐसे में हाल ही में प्रस्तावित जीएसटी 2.0 को एक बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है, जिसने बहस को जन्म दिया है कि यह वास्तव में दीर्घकालीन सुधार है या फिर तत्कालीन दबावों को संतुलित करने की रणनीति।

जीएसटी परिषद ने सितंबर 2025 से लागू होने वाले इस बदलाव के तहत कई वस्तुओं और सेवाओं की कर दरों में संशोधन का निर्णय लिया है। उदाहरणस्वरूप, पहले जिन वस्तुओं और सेवाओं पर 5 प्रतिशत या 18 प्रतिशत कर लगता था, उनमें आंशिक कमी की गई है। इसका सीधा असर आम उपभोक्ता से लेकर उद्योग और राज्यों की वित्तीय स्थिति तक पड़ेगा। सरकार का तर्क है कि कर दरों को सरल और यथार्थवादी बनाना समय की मांग है, ताकि उपभोग बढ़े, आर्थिक गतिविधियों को गति मिले और कर चोरी पर रोक लगे। इस कदम के पीछे सबसे बड़ा तर्क उपभोग में बढ़ोतरी का है। भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति में घरेलू खपत एक प्रमुख कारक है, जो सकल घरेलू उत्पाद (GDP) को गति देता है। जब कर दरें घटेंगी तो वस्तुएं अपेक्षाकृत सस्ती होंगी, जिससे मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं का उपभोग बढ़ेगा। यह अतिरिक्त मांग उत्पादन को प्रेरित करेगी, उद्योगों की क्षमता का बेहतर उपयोग होगा और रोजगार सृजन की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी। रोजगार बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और इसका पुनः असर अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक पड़ेगा।

दूसरा बड़ा पहलू कर चोरी पर अंकुश का है। अब तक बहुविध कर दरों और जटिल कर ढांचे के कारण व्यापारी वर्ग में गलत वर्गीकरण की प्रवृत्ति बनी रहती थी, जिससे कर राजस्व का नुकसान होता था। नई व्यवस्था में दरों को तर्कसंगत और सीमित श्रेणियों में रखने की कोशिश हुई है। अनुमान है कि इससे कर चोरी में उल्लेखनीय कमी आएगी और राज्यों तथा केंद्र सरकार की आय में वृद्धि होगी।

हालाँकि इस सुधार के नकारात्मक पहलू भी उतने ही प्रबल हैं। कई राज्यों ने इस संशोधित ढांचे पर आपत्ति दर्ज की है। उनका कहना है कि दरों में कमी से कर राजस्व में गिरावट होगी, जिससे राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता प्रभावित होगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कर संग्रहण में होने वाली इस संभावित कमी को लेकर आशंका जताई जा रही है कि राज्यों का घाटा लगभग 48,000 करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। जबकि केंद्र का तर्क है कि बढ़ा हुआ उपभोग और विस्तृत कर आधार इस नुकसान की भरपाई कर देगा। सवाल यह है कि क्या वाकई अल्पकालिक घाटे की भरपाई दीर्घकाल में संभव होगी, या फिर राज्यों पर उधारी और राजकोषीय असंतुलन का बोझ बढ़ेगा।

एक और चुनौती असमानता की है। दरअसल, कर में कमी का सबसे अधिक लाभ मध्यम वर्ग और उपभोग आधारित वर्ग को मिलेगा, किंतु लग्जरी और 'सिन गुड्स' पर कर का बोझ यथावत बना रहेगा। इसका अर्थ यह है कि समाज के उच्च आय वर्ग को विशेष राहत नहीं मिलेगी, जबकि वे पहले से ही इन करों का वहन करने में सक्षम हैं। दूसरी ओर, कर दरों में कमी से उत्पन्न राजस्व घाटे की भरपाई के लिए संभव है कि राज्यों को भविष्य में किसी और तरीके से कर बढ़ाने पड़ें। इस प्रकार यह सुधार कहीं न कहीं आय वर्गीय असमानता की खाई को और गहरा कर सकता है।

सुधार की दिशा में यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में कर संग्रहण की दक्षता अभी भी विकसित देशों की तुलना में कम है। ब्राज़ील और चीन जैसे देशों में कर दक्षता 50-60 प्रतिशत के आसपास है, जबकि भारत में यह 40 प्रतिशत से भी नीचे आंकी जाती है। जीएसटी 2.0 से यह उम्मीद की जा रही है कि कर संग्रहण बेहतर होगा और GDP में कर योगदान का अनुपात बढ़ेगा। यदि ऐसा होता है तो भारत की राजकोषीय स्थिति मजबूत होगी और सरकार के पास विकासोन्मुख योजनाओं पर खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी।

अर्थशास्त्रियों का एक वर्ग इस सुधार को कुशल वित्तीय प्रबंधन तो मानता है, किंतु संरचनात्मक सुधार नहीं। उनके अनुसार यह कदम निकट भविष्य में महँगाई के प्रभाव को संतुलित करने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ज्यादा है, जबकि दीर्घकालीन दृष्टिकोण से इसमें ठोस सुधारात्मक तत्वों की कमी है। कर ढांचे को वास्तव में सरल और न्यायसंगत बनाने के लिए आवश्यक है कि दरों की श्रेणियाँ और घटाई जाएँ, अनुपालन को आसान बनाया जाए और राज्यों के हिस्से को सुरक्षित करने के लिए कोई स्थायी तंत्र स्थापित किया जाए।

जीएसटी 2.0 से जुड़े राजनीतिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। चुनावों से पूर्व यह कदम जनता को राहत देने और मध्यम वर्ग का विश्वास जीतने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। कर दरों में कमी का तत्काल लाभ उपभोक्ताओं को महसूस होगा, जिससे सरकार को राजनीतिक पूँजी हासिल हो सकती है। किंतु यदि राज्यों की वित्तीय स्थिति बिगड़ी तो केंद्र और राज्यों के बीच टकराव बढ़ सकता है, जो संघीय ढाँचे के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

वास्तव में जीएसटी 2.0 को भारतीय कर व्यवस्था में संक्रमण कालीन सुधार कहा जा सकता है। इससे उपभोक्ता को राहत मिलेगी, उपभोग और मांग बढ़ेगी, कर चोरी पर अंकुश लगेगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। परंतु इसके साथ-साथ राजस्व घाटे, राज्यों की आपत्तियों और दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों की कमी जैसे सवाल भी कायम हैं। यह सुधार तभी स्थायी और प्रभावी सिद्ध होगा जब केंद्र और राज्य मिलकर राजस्व साझा करने का संतुलित तंत्र विकसित करेंगे और कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी तथा सरल बनाएँगे। इस तरह से जीएसटी 2.0 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक कदम है, किंतु इसे अंतिम सुधार नहीं माना जा सकता। यह उस लंबी यात्रा का हिस्सा है जिसमें भारत को न केवल कर संग्रहण की दक्षता बढ़ानी है, बल्कि कर ढाँचे को ऐसा स्वरूप देना है जो विकास, समानता और संघीय सहयोग के आदर्शों को सुदृढ़ कर सके।

अरूंधति के बहाने सिगरेट बीड़ी की चर्चा

कटाक्ष

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

अरूंधति राय अपनी नई किताब के कवर पेज पर सिगरेट का धुंआ उड़ा रही है। और इतने भर से बहुत से चरित्रवान लोगों के कलेजे सुलग गए है। अब सिगरेट बीड़ी पर मर्दों का कॉपीराइट तो है नही कि औरतें ये शौक न फरमा सकें। खुदा के ऐसे ही नेक बंदों के लिए मंटो लिख गए हैं कि सिगरेट पीने से औरतों के भी फेफड़े ही खराब होते है कैरेक्टर नही।और फिर अरूंधति अपने फेफड़ों की खुद परवाह करें ,हम आप उन्हें लेकर दुबले क्यों हो ?

अरूंधति के बहाने सिगरेट बीड़ी की चर्चा कर ली जाए। आज से पच्चीस तीस साल पहले सड़कों पर ,कही भी कभी भी हर दूसरा आदमी सिगरेट धौंकता दिख जाता था। थियेटर धुएँ से भरे होते थे और अँधेरा होने पर बीड़ियाँ जुगनुओं की तरह चमकती थी। फिर थियेटर मे मुँह का कैंसर लिए मुकेश सिगरेट बीड़ी न पीने की अपील करते दिखे। भोले भाले लोग डरे मुकेश की दुर्गति देख कर। पब्लिक की तबीयत का ख्याल कर सरकार ने सिगरेट बीड़ी तबियत से मंहगी की। पब्लिक प्लेस पर सिगरेट पीने पर रोक लगाई। इससे सिगरेट पीने वाले माणिकचंद और राजश्री की तरफ़ मुड़े। अजय देवगण और शाहरुख़ खान ने इनकी तरफ़दारी की। और गुटका बनाने वाले अरबपति हुए।

सिगरेट की बात निकले तो बीड़ी का ख्याल आना लाज़मी है। बीड़ी,पढ़ी लिखी सिगरेट की देहाती अम्मा है। और जो गुटका है वो नाती है बीड़ी का। पहले गाँव देहातों मे औरतें भी बीड़ी पीती दिख जाती थी। बीड़ी के भरोसे पंचायत होती थी। आपसी मेलजोल, सामाजिकता बनाए रखने में बीड़ी का योगदान सराहनीय। बीड़ी,हमारी एकता की संवाहक,हर जगह,हर क्षेत्र में उपस्थिति इसकी। सरल ,सहज और सादगी का अवतार। जोत से जोत जलाते चलो की तर्ज़ अटूट मित्रता की प्रणेता, मितव्ययिता की लोकप्रिय शिक्षिका। यह न होती तो आप कुछ कर नहीं पाते जीवन में। ऐसे में बीड़ी का हमारे लोकजीवन में ,साहित्य में स्थान अनुपम। वो बीते कल मे भी सम्माननीय थी और आने वाले कल मे भी रहेगी।

गुलज़ार साहब फ़िल्मी दुनिया के चंद पढ़े लिखे लोगों में शामिल है। उनके कहे पर सुनने वाले सर धुनते ही आये है हमेशा। पर उन्होंने बीड़ी जलाइले जिगर से पिया वाली जो बात कही वो वाकई पते की है। गुलज़ार ने बताया जिगर मा बड़ी आग है। हमारे आयुर्वेद में भी जठराग्नि का ज़िक्र है। जिगर की आग में कमी हो जाये तो पित्त बढ़ जाता है । भूख लगना बंद हो जाती है। हम ठीक ठीक तरीक़े से ज़िंदा रह सकें इसलिये इस आग को जलाये रखना बहुत ज़रूरी है।जिगर जलाने के लिये बीड़ी को सबसे बेहतर माना गया है। हमें सिगरेट बीड़ी का विरोध इसलिए भी नही करना चाहिए क्योंकि खुद बिपाशा बसु ने बीड़ी पीने की सिफारिश की है।

मैं अच्छा आदमी हूँ। यह मानता हूँ कि अरूंधति के सिगरेट पीने से नाराज लोग भी भले हैं। उन्हें इस लेखिका की सेहत की चिंता है। वो उनसे नहीं सिगरेट से नाराज़ है। ऐसे मे मेरा फर्ज है कि उन्हें बता दूँ कि हमारे बड़े बूढ़े बीड़ी सिगरेट पीने के फ़ायदे गिना गये है। इन्हें पीने वाला कभी बूढ़ा नहीं होता ,उसे कुत्ता नहीं काटता और न ही उसके यहाँ कभी चोर आते हैं। बड़े बूढ़े गलत होते कम ही देखे गए है। ऐसे में अरूंधति को सिगरेट पीते देख व्यर्थ की चिंता न करे और इसलिए भी न करें क्योंकि चिंता चिता के समान होती है। ऐसे मे मुमकिन है अरूंधति राय लंबा जिए और आप उनके पहले सिधार जाए।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सबसे सस्ती है आम आदमी की जान

डॉ. हरीशकुमार सिंह

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अपने यहाँ सबसे सस्ती चीज नमक माना गया है। पर रुकिए सबसे सस्ती चीज नमक नहीं है बल्कि अपने यहाँ सबसे सस्ती चीज है आम आदमी की जान। असल में आम आदमी कहीं भी कैसे भी मर सकता है, मार दिया जाता है या व्यवस्था की लापरवाही उसे मार डालती है और अगले दिन सब भुला दिया जाता है। आम आदमी की जान इतनी सस्ती है कि रहनुमाओं को कोई फर्क नहीं पड़ता है। बेकाबू ट्रक से कुचल कर मर जाते हैं, कुंए की छत टूटने से बावडी में गिर जाने से, अस्पताल में चूहों के कुतर जाने से बच्चे मर जाते हैं, मंदिरों में पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है और अफरातफरी से, रेल दुर्घटना हो जाने से, पुल गिर जाने से, बनती इमारत ढह जाने से, स्टेडियम में दर्शकों की भीड़ में मारामारी से, रेलवे स्टेशन पर कुचलने से, मेलों ठेलों में दबने से, घंटों जाम लगने से आम आदमी की जान चली जाती है। आम आदमी की जान,जान नहीं है मामूली सी चीज है, टेंशन क्या लेना,रोज ही मरते हैं । व्यवस्था न भी मारे तो आपस मे लड़ कर मर जाते हैं, जमीन जायदाद के लफड़े में मार दिये जाते हैं,रंजिश में कत्ल हो जाता है, ऑनर किलिंग हो जाती है। सरकार,प्रशासन,पुलिस कहाँ कहाँ ध्यान दे आखिर आम आदमी की जान ही तो है । आम आदमी की जान है, फिर जान आम ही तो रहेगी,खास तो होगी नहीं। आम आदमी की जान की चिंता किसी को भी नहीं रहती है,इसलिए आम आदमी की जान की चिंता और सुरक्षा के उपाय कौन करे,क्यों करे।

आम आदमी की जान लंबी कावड यात्रा में अव्यवस्था फैलने से या प्रवचन के बाद भगदड़ से भी जा सकती है। हमेशा की तरह आयोजक बरी। कोई एफआईआर नहीं। कोई जांच नहीं। आज आम आदमी की जान थोक में गई है, गई है तो गई है, शोक व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया है जिससे लगता है कि अभी संवेदनाएं पूरी तरह मरी नहीं है,आंखों में थोड़ी शर्म बची है मगर चिंता की बात नहीं है। बेशर्मी से कह सकते हैं कि जो धरती पर आया है उसे जाना ही है,थोड़ा जल्दी चला गया बस। अगली बार फिर वही भीड़ देश में कहीं भी, फिर भगदड़ और फिर आम आदमी की जान चली जाती है। फिर कड़े उपाय और व्यवस्था सुधारने की बात की जाती है मगर फिर वही भीड़,फिर भगदड़, सिलसिला रुकता नहीं क्योंकि आम आदमी है ,उसका क्या हिसाब रखना। अस्सी मरें, आठ बताओ क्या करना है। कौन पूछने वाला। पहले मीडिया आम जनता को बताता था कि यह असलियत है । अब मीडिया कुछ भी बताए आम आदमी बिलकुल विश्वास ही नहीं करता। मीडिया आठ बताता है आम आदमी खुद ही दस गुना समझ लेता है। अब तो आम आदमी मीडिया की मजबूरी भी समझता है और मीडिया के लिए तो आम आदमी की जान, बेजान ही है।

आम आदमी की जान इतनी सस्ती होती है कि आपको कहीं भी पड़ी,सड़ी, गली मिल जाएगी,दिख जाएगी या सुनने में आ जाएगी। आम आदमी की जान सस्ती है इसलिए ही तमाम व्यवस्थाएं जो आम आदमी के लिए होनी चाहिए माननीयों के लिए की जातीं है। आम आदमी एम्बुलेंस में पड़ा है ,जान जाने वाली है अगर चिकित्सालय नहीं पहुंचा समय से मगर एम्बुलेंस को रोककर नेताजी को सलाम ठोककर व्यवस्था पहले निकाल देती है। क्योंकि उनका समय महत्वपूर्ण है और आम आदमी की जान की कोई कीमत नहीं है इसलिए चौराहे पर खड़ी है, जान जाए तो जाए । पुलिस बेचारी चालान बनाकर वसूली करे या यातायात सुधारे, पुलिस वीवीआइपी की चौबीसों घंटे सुरक्षा करे या आम आदमी की जान देखे। वीवीआईपी की जान भी वीवीआईपी होती है और आम आदमी की जान भी आम। आम आदमी की जान जाती है तो जाए।

सरकारी अस्पताल में ही आम आदमी के बच्चे नहीं मरते, अब सरकारी स्कूल की छत भी गिरने लगी है। मर गए हैं आम आदमी के बच्चे फिर से। बच्चों की जान भी आम आदमी की तरह आम थी। मर गए बेचारे। जब देश का भविष्य ही जात, पांत,धर्म,भाषा के आधार पर तयः किया जाने लगे तब उस देश में बच्चों का कैसा भविष्य। आम आदमी की जान सस्ती हैं इसलिए देश के सरकारी स्कूल और सरकारी चिकित्सालय जर्जर हो रहे हैं और देश के विधानभवन,संसद और सोने से मढ़े धर्मस्थल आकर्षक,मजबूत और दर्शनीय हैं। आम आदमी से वसूले गए कर से बनी देश की सरकारों के चुने गए जनप्रतिनिधियों के पेट जब तक बढ़ते रहेंगे, आम आदमी की जान सबसे सस्ती ही रहेगी। आम आदमी से कर लेकर उसी के पैसे पर रहनुमाओं का पलना, फिर भी आम आदमी को मुफ्त शिक्षा और चिकित्सा की सुविधा से वंचित रखना उसे उल्लू बनाना, उसकी जान की कीमत को सस्ती समझना है।

पर्यावरण

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

टिटहरी- प्रकृति की मौन चेतावनी

इस पक्षी का महत्व केवल ग्रामीण जीवन तक सीमित नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर रूप पर्यावरण के विशाल ताने-बाने से जुड़ा है। जब एक छोटा-सा पक्षी अपने अंडों के जरिए भविष्य की तस्वीर दिखा सकता है, तब यह हमारे लिए चेतावनी भी है कि हम इस तंत्र के साथ खिलवाड़ न करें। विज्ञान भी यही कहता है कि पर्यावरण में सूक्ष्मतम बदलाव का सबसे पहले असर पक्षियों और छोटे जीवों पर दिखाई देता है। यदि हम समय रहते उन्हें सुन लें, तो बड़ी त्रासदियों से बच सकते हैं।

भारत का ग्रामीण जीवन सदियों से प्रकृति के साथ गहरे संवाद में रहा है। खेत, मौसम और जीव-जंतु मिलकर किसान की दिनचर्या और भविष्य दोनों को प्रभावित करते हैं। इन सबके बीच टिटहरी एक ऐसा छोटा-सा पक्षी है, जो सामान्य आँखों से मामूली दिखता है, लेकिन किसानों और लोकजीवन की स्मृतियों में यह मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने वाला प्रहरी माना जाता है। यह केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि धरती और आकाश के बीच संवाद का माध्यम है, एक मौन दूत है जो संकट और समृद्धि दोनों की आहट पहले ही दे देता है।

ग्रामीण अनुभव बताते हैं कि टिटहरी का व्यवहार मौसम और कृषि की दिशा तय करने में अहम संकेत देता है। यदि वह चार अंडे देती है तो चार महीने अच्छी वर्षा होने का विश्वास किया जाता है। जब वह ऊँचाई पर अंडे देती है, तो लोग मानते हैं कि सामान्य से अधिक वर्षा होगी। यदि कभी वह मजबूरी में छत या पेड़ पर अंडे दे, तो यह भीषण बाढ़ का संकेत माना जाता है। वहीं, यदि वह अंडे न दे तो यह सबसे डरावनी स्थिति होती है, क्योंकि लोग इसे अकाल का दूत मानते हैं। किसान कहते हैं कि जिस खेत में टिटहरी अंडे देती है, वह खेत खाली नहीं रहता। वहाँ फसल ज़रूर होती है। इस तरह यह पक्षी न केवल वर्षा और मौसम से जुड़े संकेत देता है बल्कि उपजाऊपन और अकाल जैसी चरम स्थितियों की चेतावनी भी बन जाता है।

लोकजीवन में एक और मान्यता है कि टिटहरी का मृत शरीर कुरुक्षेत्र के अलावा कहीं दिखाई नहीं देता। चाहे यह तथ्य हो या प्रतीकात्मक कल्पना, लेकिन यह विश्वास उसे जीवन और अस्तित्व की रक्षा का प्रतीक बना देता है। टिटहरी को देखने वाला किसान समझ जाता है कि यह पक्षी उसकी मिट्टी, फसल और भविष्य का पहरेदार है। यही कारण है कि ग्रामीण लोकगीतों और कहावतों में भी टिटहरी का उल्लेख मिलता है। यह उन जीवों में से है जिनकी गतिविधियों पर पीढ़ियाँ भरोसा करती रही हैं।

अब सवाल उठता है कि जब विज्ञान मौसम की भविष्यवाणी के लिए उपग्रह, राडार और कंप्यूटर मॉडल जैसे अत्याधुनिक साधन लेकर आया है, तब टिटहरी जैसे पक्षियों की भूमिका क्या रह जाती है। वास्तव में इसका उत्तर यही है कि विज्ञान और लोकअनुभव एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो टिटहरी जैसे पक्षी पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। हवा की नमी, तापमान का उतार-चढ़ाव, भूमि की नमी, जल स्तर का बढ़ना या घटना – इन सबका असर उनके व्यवहार पर पड़ता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक भाषा में इन्हें 'इकोसिस्टम इंडिकेटर' कहा जाता है। यानी ऐसे जीव जो अपने आचरण के माध्यम से हमें पर्यावरणीय बदलावों की समय रहते जानकारी दे देते हैं।

हमारे पूर्वजों ने विज्ञान के औज़ारों का सहारा लिए बिना ही इन संकेतों को अनुभव के आधार पर समझा और उनका लाभ उठाया। सदियों से किसान टिटहरी की गतिविधियों पर नज़र रखते आए हैं। अगर वह अंडे देने का समय टाल दे तो किसान पहले से ही सतर्क हो जाते थे। यदि वह ज़मीन छोड़कर ऊँचाई पर चली जाए, तो वे अधिक वर्षा और संभावित जलभराव को लेकर चौकन्ने हो जाते थे। इस प्रकार लोकानुभव ने जो बातें कही हैं, वे वास्तव में वैज्ञानिक कारणों से जुड़ी हुई हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि किसानों ने इन्हें अपनी भाषा और प्रतीकों में व्यक्त किया।

आज जब हम शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की चमक में डूबे हैं, तब सबसे बड़ा संकट यही है कि हमने प्रकृति की इस मौन भाषा को सुनना लगभग छोड़ दिया है। शहरों में रहने वाला इंसान यह नहीं जानता कि कब कोई पक्षी अपनी आदत बदल रहा है, कब उसकी संख्या घट रही है या कब उसका स्वर बदल रहा है। यही लापरवाही हमें अचानक आने वाली आपदाओं के सामने असहाय बना देती है। यदि हम टिटहरी और अन्य पक्षियों के संदेशों को गंभीरता से लें तो आपदा प्रबंधन की हमारी क्षमता कई गुना बढ़ सकती है।

टिटहरी के बारे में यह भी कहा जाता है कि यह पक्षी खेत को कभी खाली नहीं छोड़ता। उसका वहाँ अंडे देना किसानों के लिए आश्वासन का प्रतीक है। यह विश्वास अपने आप में गहरा संदेश है कि प्रकृति मनुष्य को निराश नहीं करती, बशर्ते हम उसका सम्मान करें। लेकिन जब हम प्रकृति के नियम तोड़ते हैं, उसके साथ छेड़छाड़ करते हैं, तब उसके प्रहरी पक्षी भी अपने संकेत बदलने को मजबूर हो जाते हैं। यही वजह है कि कई बार बाढ़ या अकाल जैसी स्थिति का पूर्वाभास हमें टिटहरी के व्यवहार से पहले ही मिल जाता है।

इस पक्षी का महत्व केवल ग्रामीण जीवन तक सीमित नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर रूप पर्यावरण के विशाल ताने-बाने से जुड़ा है। जब एक छोटा-सा पक्षी अपने अंडों के ज़रिए भविष्य की तस्वीर दिखा सकता है, तब यह हमारे लिए चेतावनी भी है कि हम इस तंत्र के साथ खिलवाड़ न करें। विज्ञान भी यही कहता है कि पर्यावरण में सूक्ष्मतम बदलाव का सबसे पहले असर पक्षियों और छोटे जीवों पर दिखाई देता है। यदि हम समय रहते उन्हें सुन लें, तो बड़ी त्रासदियों से बच सकते हैं।

संपादकीय दृष्टि से यह कहना उचित है कि टिटहरी कोई साधारण पक्षी नहीं है। यह हमें यह समझाती है कि ज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और उपग्रहों से नहीं आता, बल्कि खेत-खलिहानों और जीव-जंतुओं के आचरण से भी आता है। आधुनिक विज्ञान जहाँ आँकड़ों और तकनीक पर आधारित है, वहीं टिटहरी सहज संवेदना और प्राकृतिक जुड़ाव पर आधारित चेतावनी देती है। दोनों के बीच पुल बनाना ही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

आज की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न संरक्षण का है। यदि टिटहरी जैसे पक्षी हमारे बीच से लुप्त हो जाएँगे तो न केवल लोकविश्वास टूट जाएगा, बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी प्रणाली का एक अहम हिस्सा भी खो जाएगा। इसके संरक्षण के लिए हमें खेतों में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग कम करना होगा, प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखना होगा और जलस्रोतों को बचाना होगा। यह केवल एक पक्षी का संरक्षण नहीं होगा, बल्कि अपने भविष्य और अस्तित्व की रक्षा भी होगी।

निष्कर्ष यही है कि जहाँ विज्ञान आँकड़ों और मशीनों पर भरोसा करता है, वहीं टिटहरी जैसी पक्षियाँ सहज चेतावनी देती हैं। विज्ञान देर से अलर्ट करता है, लेकिन टिटहरी पहले से सावधान कर देती है। हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम इस मौन संवाद को सुनें और उसके अनुसार कदम उठाएँ। यदि हमने इस आवाज़ को नज़रअंदाज़ किया, तो आने वाले समय में न केवल टिटहरी गायब हो जाएगी, बल्कि उसका दिया हुआ संदेश भी हमारे जीवन से खो जाएगा।

डिजिटल सुनामी

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक स्तंभकार हैं।

जेन-जी हो गए इंटरनेट लवर्स

देश में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या में रिकार्ड बढ़ोतरी के साथ आज के डिजिटल युग में, यह अत्याधुनिक विधा हमारी दिनचर्या का अहम हिस्सा बन गई है। बैंकिंग, ऑनलाइन शॉपिंग, सोशल मीडिया, और ऑफिस वर्क जैसी गतिविधियां पूरी तरह इंटरनेट पर निर्भर हो गई हैं। देश और दुनिया में दिन-ब-दिन इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए उपयोग में लाते थे और अब यह बड़ों से बच्चों के हाथों में पहुँच कर हमारी जिंदगानी का अभिन्न और अहम हिस्सा बन गया है। विशेषकर जेन जी ने इंटरनेट लवर्स के रूप में अपनी पहचान बनाई है। डिजिटल की दुनिया में नब्बे के दशक के मध्य से लेकर 2010 की शुरुआत तक के जन्मे लोगों को 'जेन जी' का नाम दिया है।

दूरसंचार विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या 1 अरब से ज्यादा हो गई है। यह संख्या 1,002.85 मिलियन तक पहुंच गई है, जो मार्च की तुलना में 3.48 प्रतिशत ज्यादा है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण ब्रॉडबैंड का विकास बताया गया है। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार 30 जून, 2025 तक भारत में इंटरनेट /ब्रॉडबैंड ग्राहकों की कुल संख्या 100.28 करोड़ है। यह पिछली तिमाही की तुलना में 3.48 प्रतिशत की वृद्धि है। कुल उपभोक्ताओं में से 2.31 करोड़ नैरोबैंड उपभोक्ता हैं, जबकि 97.97 करोड़ ब्रॉडबैंड उपभोक्ता हैं। इसके अलावा, 4.47 करोड़ उपभोक्ता वायर्ड इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते हैं, जबकि 95.81 करोड़ उपभोक्ता वायरलेस इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते हैं।

आज बिना इंटरनेट जीवन अधूरा लगता है। इंटरनेट हमारी दिनचर्या में पूरी तरह घुलमिल गया है। इंटरनेट का सबसे बड़ा फायदा यही है, कि इसकी वजह से विश्व एक परिवार बन गया है। भारत की बात करे तो आज इंटरनेट ने देश के महानगरों से होते हुए गांव गुवाड़ तक आसानी से अपनी पहुँच बना ली है। हमारे जीवन के रोजमर्रा के अधिकांश कार्य के लिए इंटरनेट पर निर्भरता को देखते हुए इस युग को इंटरनेट का युग कहा जाने लगा है। चाहे पढ़ाई हो या मनोरंजन या फिर किसी तरह का मार्गदर्शन लेना हो, सभी इसके लिए इंटरनेट का सहारा ले रहे हैं। मोबाइल, कंप्यूटर से जुड़ा इंटरनेट घर बैठे दुनियाभर की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध करा देता है।

इंटरनेट का मतलब है इंटरनेशनल नेटवर्क यानी पूरे विश्व के नेटवर्क को इंटरनेट करते हैं। तथा इसको हिंदी में अंतरजाल कहते हैं। एक ऐसा नेटवर्क जिसे पूरी दुनिया के कंप्यूटर आपस में एक तार से जुड़े होते हैं। या हम यह भी कह सकते हैं कि पूरी दुनिया के सारे कंप्यूटर मकड़ी के जाल की तरह आपस में एक दूसरे से ही जुड़े हुए हैं। वैसे आमतौर पर आम भाषा में इसे केवल नेट करके ही बोला जाता है। इंटरेस्ट को वर्ल्ड वाइड वेब के नाम से भी जाना जाता है। वेब यानी कि इसका अर्थ तरंगों से होता है। आज देश और दुनिया के लगभग सभी घरों में ऑनलाइन पढ़ाई, खरीदारी, मनोरंजन और अन्य कामों के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा है।

आज से बीस तीस साल पहले लोगों ने इंटरनेट का नाम तक नहीं सुना था मगर देखते देखते आज इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज हम हर छोटी-छोटी चीजों के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। बहुत से लोगों का मानना है इंटरनेट के माध्यम से आमजन का जीवन आसान हो गया है क्योंकि इससे हम घर के बाहर गए बिना ही अपना बिल जमा करना व्यापारिक लेन -देन करना सामान खरीदना आदि काम कर सकते है.अब ये हमारे जीवन का खास हिस्सा बन चुका है। यहाँ तक की खाने पीने का सामान भी इंटरनेट से मंगाते है। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग और मध्यम वर्ग के लोगों में इंटरनेट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। परन्तु जहां एक तरफ इंटरनेट हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है वहीं दूसरी ओर इंटरनेट के अत्याधिक इस्तेमाल से यह नुक्सान दायक साबित हो रहा है। इंटरनेट ज्ञान का खजाना है यह कहते हम थकते नहीं है। निश्चय ही यह हमारी जिंदगी में एक वरदान बनकर आया है मगर इसके दुरूपयोग ने हमें उजाले से अँधेरे में धकेलते देर नहीं लगायी यह भी एक सच्चाई है। एक्सपर्ट के मुताबिक इंटरनेट के अधिक उपयोग से लोगों में इंटरनेट की लत बढ़ती जा रही है। खासकर युवा वर्ग जिसे जेन जी का नाम दिया जा रहा है, दिनरात सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग आदि आदि में व्यस्त रहते हैं। आवश्यकता इस बात की है की हम नए जमाने को अपनाने के साथ उसकी बुराइयों पर भी निगाह रखे ताकि बचपन को गुमराह होने से बचाया जा सके।

आयोजन से आगे राष्ट्र भाषा हिंदी की बात

दृष्टिकोण

रागिनी श्रीवास्तव

लेखक कनाडा निवासी साहित्यकार हैं।

अं ग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन,
पै निज भाषा-ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन ।।

अर्थात् अंग्रेजी पढ़कर भले ही कोई व्यक्ति सभी गुणों में प्रवीण हो जाए, लेकिन बिना अपनी मातृभाषा के ज्ञान के, वह हीन ही रहता है। अंग्रेजों के शासन में, भारत में सरकारी कामकाज और प्रशासनिक कार्यों के लिए मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा का उपयोग किया जाता था। अंग्रेजी को औपनिवेशिक प्रशासन की भाषा के रूप में स्थापित किया गया था, और इसका उपयोग सरकारी कार्यालय, शिक्षा,न्यायपालिका आदि स्थानों पर किया जाता था। शिक्षा प्रणाली में अंग्रेजी को प्रमुख भाषा के रूप में पढ़ाया जाता था, और उच्च शिक्षा में इसका उपयोग अधिक था। इसका मुख्य कारण अंग्रेजों ने अपनी भाषा को प्रशासन और शिक्षा के लिए प्रमुखता दी, जिससे उनकी शासन व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। अंग्रेजी का उपयोग करके, अंग्रेज शासक विभिन्न क्षेत्रों और भाषाओं के लोगों पर नियंत्रण रख सकते थे।

वैसे तो स्वतंत्रता के पहले भी लोगों में हिंदी के प्रति जागरूकता थी और जन साधारण हिंदी के प्रयोग में आस्था रखते थे और उसका प्रचार प्रसार भी सुविधा से करते थे। हिंदी भाषा के जनक भारतेन्दु बाबू की रचनाओं में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है-

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल

यानी अपनी मातृभाषा में उन्नति होने से ही समस्त उन्नति का मूल प्राप्त होता है। बिना अपनी मातृभाषा के ज्ञान के, मन की पीड़ा दूर नहीं हो सकती। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमारे राष्ट्र निर्माताओं को अंग्रेजी से हटकर राजभाषा निर्धारित करने की आवश्यकता हुई और यह निश्चित किया गया कि हिंदी को राज भाषा का दर्जा मिलना चाहिए जिसके अनेक कारण थे, जैसे, हिंदी एक साझा भाषा के रूप में कार्य कर सकती है, यह सरकारी कामकाज और संचार में सुविधा प्रदान कर सकती है, जिससे अधिक लोगों को सरकारी सेवाओं और अवसरों तक पहुंच मिल सकती है। हिंदी भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसका उपयोग साहित्य, संगीत, और कला में किया जाता है। हिंदी को राजभाषा बनाने से देश की पहचान,आत्मनिर्भरता और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे विभिन्न समुदायों के बीच संवाद और समझ में सुधार हो सकता है। इसके बाद भी हिंदी को यह दर्जा इतना आसानी से नहीं मिला इसके लिए लंबी लड़ाई चली थी, जिसमें हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविन्द दास, मैथिलि शरण गुप्त, काका कालेलकर व्यौहार राजेंद्र सिंह जबलपुर ने अहम भूमिका निभाई थी।

अंततः 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की राजभाषा होगी। इस निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने और हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए 1953 से भारत में14 सितंबर को हर वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। ब्योहार राजेंद्र सिंह के 50वें जन्मदिवस 14 सितंबर, 1949 को उपहार स्वरुप यह शुभ-समाचार दिल्ली से सबसे पहले जबलपुर के तत्कालीन सांसद सेठ गोविन्ददास जी ने उन्हें भेजा था क्योंकि इस विशेष दिन को ही राजभाषा-विषयक निर्णय लिए जाने के लिए उन्होंने अथक प्रयास किये थे।

सामान्य कदकाठी,खादी का धोती कुरता और जैकेट, सर पर गाँधी टोपी ,हाथ में छड़ी जहां से निकले लोग झुक कर प्रणाम करते ऐसे प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी जबलपुर के ब्योहार राजेन्द्रसिंह जी को नाना जी कहने में हम लोगों को कुछ अधिक ही गर्व होता था। वे हमारी नानी कुंती देवी सहाय के मुँह बोले भाई थे, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब वे जेल गए तब हमारी नानी ने जेल जाकर उन्हें राखी बंधी थी और उन्होंने राखी का यह रिश्ता सपरिवार सारे जीवन निभाया।

भारत की आधिकारिक राष्ट्रभाषा हिंदी नहीं है, बल्कि संविधान के अनुसार भारत की राजभाषा हिंदी है जो हिंदी संघ की राजभाषा के रूप में कार्य करती है लेकिन विश्व में बोली जाने वाली अंग्रेजी, चीनी और मेंडेरीन के बाद तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। जिसका श्रेय प्रवासी भारतियों और हिंदी फिल्म और फिल्म संगीत को दिया जा सकता है। प्रवासी भारतियों ने हिंदी को न केवल राज भाषा अपितु राष्ट्र भाषा के रूप स्वीकार किया है और यह कहते हुए प्रसन्नता भी होती है कि विदेशों में बसे भारतियों को हिंदी पढ़ने और बोलने में एक सुखद अनुभूति होती है आखिर उनकी आत्मा भारत और भारतीय भाषाओ में ही बसती है।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने न केवल हिंदी में भाषण दिए, बल्कि हिंदी कविताएं भी लिखी और हिंदी साहित्य को बढ़ावा दिया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण देने वाले पहले भारतीय नेता के रूप में इतिहास रचा। उनके भाषणों में हिंदी की गरिमा और महत्व को प्रतिबिंबित किया गया है। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक स्तर पर कई बार हिंदी में भाषण दिए हैं, जिससे हमारी भाषा को नई पहचान मिली है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में भाषण देकर देश का गौरव बढ़ाया है। उनके इन प्रयासों से हिंदी की वैश्विक पहचान और महत्व को बढ़ावा मिला है।

निज भाषा में कीजिए, जो विद्या की बात।
तेहि सुनि पावै लाभ सब, बात सुनै जो को।।

भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा लिखित इन पंक्तियों का अर्थ है कि किसी भी ज्ञान या शिक्षा की बात को अपनी निज (अपनी) भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, क्योंकि जब कोई व्यक्ति अपनी ही भाषा में किसी बात को सुनता है तो उसे सबसे अधिक लाभ होता है। अपनी भाषा में बात करने का यह गुण किसी और भाषा में नहीं हो सकता है।

नगर परिषद बैतूलबाजार में स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत

बैतूल। नगर परिषद बैतूलबाज़ार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा 2025 की शुरुआत प्राथमिक

चिकित्सालय कैलाश वार्ड परिसर से की गई। इस अवसर पर नगर परिषद के कर्मचारियों एवं आमजन के सहयोग से स्वच्छता कार्यक्रम संचालित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की गई तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु वृक्षारोपण भी किया गया। उपस्थित जनसमुदाय ने स्वच्छता बनाए रखने एवं वृक्षों की देखभाल करने का संकल्प लिया। नगर परिषद द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एवं आगे भी अपने घर-आंगन, गली-मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें।

नपा कर्मचारी का शव संदिग्ध हालात में मिला

शरीर पर चोटों के निशान, अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज

बैतूल। बैतूल नगरपालिका की स्वच्छता संस्था ओम साईं विजन की कचरा गाड़ी पर हेल्पर के रूप में काम करने वाले दीपक पवार (22) का शव शुक्रवार को मिलानपुर रोड पर मिला। वह दो दिन से लापता था। शव पर चेहरे, सीने, पीठ और गर्दन पर चोट के निशान थे। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। सुबह ग्रामीणों ने सडक़ किनारे शव देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को खबर दी। एडिशनल एसपी कमला जोशी मौके पर पहुंचीं।

फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉट ने भी जांच की। पुलिस का कहना है कि चोटें किसी नुकीले हथियार से की गई लगती हैं। शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद असली कारण साफ होगा। दीपक नगर पालिका की कचरा गाड़ी में हेल्पर था। वह परसों शाम से गायब था। उसके परिवार में सिर्फ मां और नानी हैं। पिता उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। दीपक के छह माह का होते ही वे घर छोडक़र चले गए थे। मां ने दोबारा शादी नहीं की। दीपक की एक बहन थी, जिसकी पहले ही मौत हो चुकी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है। पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि दीपक कहां गया था और किन लोगों के संपर्क में था। ग्रामीणों और परिचितों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सच्चाई सामने लाने के लिए हर पहलू की जांच की जाएगी।

नशे से आर्थिक और शरीर का नाश होता है, तम्बाकू निषेध पर संगोष्ठी संपन्न

बैतूल। नशा परिवार, समाज और राष्ट्र की उन्नति में बाधक होता है। इसी उद्देश्य को लेकर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई के द्वारा तम्बाकू निषेध अभियान पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ मीनाक्षी चौबे के संरक्षण में पूर्व जिला संगठक डॉक्टर सुखदेव डोंगरे की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि तम्बाकू खाने से कैंसर हो सकता है और किडनी,फेफड़े आदि खराब होते हैं इसलिए हमें किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी प्रो.शंकर सातनकर ने बताया कि तम्बाकू खाना सेहत के लिए हानिकारक होता है इसलिए हमें किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए। जिला संगठक डॉ.गोपाल प्रसाद साहू ने कहा कि नशे से शरीर और आर्थिक नुकसान दोनो होते हैं इसलिए हमें इससे बचना चाहिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ स्वयंसेवक अंजली नगोरे, दलनायक आयुष नागोरे, खुशी पारखे, कामिनी खवसे, गंगा बूडगरीया, खुशबू मकोड़े, निशु पावर, रीना उइके,विक्रम पाहाडे पलक राजगोड, सृष्टि विश्वकर्मा आदि स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

सेवा-पखवाड़ा प्रबुद्ध जन संवाद आज

बैतूल। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75 वें जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टुबर तक सेवा पखवाडा अभियान चलाया जा रहा है। सेवा पखवाडे के अंतर्गत अनेक प्रकार की गतिविधियां संचालित की जा रही है। जिसके तहत आज शनिवार को प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के जिला संयोजक कमलेश सिंह ने बताया कि सेवा पखवाडे के तहत जिले भर के समस्त मंडलो में सेवा कार्य किए जा रहे है। इसी कडी में आज जिले के प्रबुद्ध जनो के साथ संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता केन्द्रीय राज्य मंत्री व क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उइके अपना संबोधन देगें एवं जिले भर से आने वाले प्रबुद्ध जनो को संबोधित करेगें। जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने जिले के समस्त प्रबुद्ध जनो से कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है।

एक दिन में की 4204 सिकल सेल स्क्रीनिंग, प्रदेश में पाया अव्वल स्थान

बैतूल। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम 2047 के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विशेष अभियान सिकल सेल स्क्रीनिंग

कार्यक्रम चलाया गया जिसमें बैतूल ने पूरे प्रदेश परचम लहरा दिया। बैतूल में 17 सितम्बर को एक दिन चलाए गए कार्यक्रम में 4204 स्क्रीनिंग की गई जो कि पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा है । इस कार्यक्रम में बैतूल प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। वही पूरे देश में मध्य प्रदेश पहले स्थान पर है। बैतूल जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाड़े ने बताया मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया के लिए जो अभियान चल रहा है। हमारे जिले में सात ब्लॉक ट्राइबल के हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में विशेष कैंप लगाए गए और उसमें अधिक से अधिक स्क्रीनिंग कराई गई इंडिया में सबसे ज्यादा स्क्रीनिंग करने वाला जिला बैतूल है । प्रधानमंत्री का लक्ष्य है 2047 तक सिकल सेल को खत्म करना। उसी लक्ष्य को हम और हमारी टीम पूरा करने में लगी है। डॉ अंकिता सीते ने बताया सिकल सेल स्क्रीनिंग के 100 का कार्यक्रम रखा गया था जिसके लिए पूरी योजना बना कर कार्य किया गया । इस कार्य के लिए सिकल सेल मित्र और समाज सेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया गया ।यही कारण है कि 89 दिन में 112340 स्क्रीनिंग कर बैतूल प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। वही पूरे देश में मध्य प्रदेश पहले स्थान पर है। डॉ अंकिता सीते ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को बैतूल जिले में एक दिन में 4204 स्क्रीनिंग की गई जिसमें आमला 497,आठनेर 302,बैतूल 875, भैंसदेही 556, भीमपुर 278,चिचोली 356घोड़ाडोंगरी 130 मुलताई 362, प्रभातपट्टन 617,शाहपुर 290 में स्क्रीनिंग हुई ।

अचानक हुई बारिश से किसानों की परेशानी बढ़ी, अगले तीन दिन तक बारिश की संभावना

एक घंटे की झमाझम बारिश से बैतूल तरबतर, सड़कें लबालब

बैतूल। जिले में जून से शुरू हुई बारिश का दौर अब खत्म होने को है। लेकिन उससे पहले मानसून ने एक बार फिर जोरदार वापसी की है। बैतूल में शुक्रवार दोपहर मूसलाधार ने शहर की सडक़ों को तालाब बना दिया और जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुआ बारिश का दौर एक घंटे लगातार जारी रहा। इस दौरान बारिश दर्ज की गई। बारिश इतनी तेज थी कि महज एक घंटे में शहर की सडक़ें तालाब बन गई। जगह-जगह पानी भरने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे स्टेशन मार्ग पर करीब आधा फीट तक पानी जमा हो गया था। वहीं गंज क्षेत्र में सडक़ निर्माण के चलते गड्ढों में पानी भर गया था, जिससे मुख्य मार्गों पर यातायात अव्यवस्थित हो गया। लोग जहां-तहां बारिश थमने का इंतजार करते नजर आए। खासकर व्यस्त बाजार क्षेत्रों में कीचड़ और गड्ढों के कारण आमजन को परेशानी उठानी पड़ीं। बारिश के चलते लोगों को उमस और गर्मी से भी राहत मिली है। दिन का अधिकतम तापमान घटकर 28.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री दर्ज किया गया।

जिलेभर में बारिश की स्थिति -जिले में इस साल की बारिश का आंकड़ा पिछले साल से कुछ पीछे है। इस साल अभी तक 927.0 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 960.4 मिमी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 19 सितंबर को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 1.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। वहीं जिले के ब्लॉकवार आंकड़े देखें तो सबसे कम बारिश बैतूल ब्लॉक में 638.4 मिमी दर्ज की गई है। घोड़ाडोंगरी में 1140.0, चिचोली में 1030.9, शाहपुर में 921.6, मुलताई में 938.5, प्रभातपट्टन 873.4, आमला में 750.0, भैंसदेही 883.2, आठनेर में 702.0 मिमी, भीमपुर में 1394.0 बारिश दर्ज की गई है सबसे अधिक वर्षा भीमपुर ब्लॉक में दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष से भी ज्यादा है। इसके बाद घोड़ाडोंगरी, चिचोली और शाहपुर में बारिश बेहतर स्थिति में हैं।

धीरे-धीरे होगी मानसून की विदाई- मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अगले दो से तीन दिन तक जिले में बारिश जारी रहेगी। इसके बाद धीरे-धीरे मानसून विदाई की ओर बढ़ेगा। अचानक हुई जोरदार बारिश से जहां किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में जलभराव और आवागमन की समस्या ने परेशानी बढ़ा दी है। बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश की वजह से खेतों में लगी किसानों की सोयाबीन की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। मौसम वैज्ञानिक अनुसार बारिश के बाद सोयाबीन, मक्का की फसलें प्रभावित हुई है। कई किसानों के खेतों में पानी जमा होने से समस्या आ रही है। पानी निकासी नहीं होने से पौधे का विकास नहीं हो पाया है। तापमान बढऩे से भी फसलों को नुकसान हो रहा है।

औसत बारिश का कोटा पूरा नहीं - मानसून को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं लेकिन इस बार मानसून की बेरुखी के कारण जिले की औसत बारिश का कोटा भी पूरा नहीं हुआ है। जिले की औसत वर्षा 1083.9 मिमी यानि करीब 43 इंच है, जबकि अभी तक जिले में मात्र. है तथा जिले में अभी तक 927.0 मिमी औसत बारिश यानि 37 इंच ही बारिश हो पाई है। बारिश का कोटा पूरा होने के लिए अभी भी 6 इंच बारिश की दरकार है। मौसम वैज्ञानिक ने बताया जिले में मानसून सितंबर तक एक्टिव रहता है। जिले में बारिश का आंकड़ा औसत से थोड़ा पीछे है। उम्मीद है कि जितने दिन बारिश के शेष है, उसमें अच्छी बारिश होती है तो औसत तक बारिश पहुंच जायेगी।

संघ शताब्दी वर्ष-जिलेभर में गूंजेगा अनुशासन का स्वर, 97 स्थानों से निकलेंगे पथ संचलन

धार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी में जुटा है। उद्देश्य है - हर हिंदू परिवार से जुड़ाव और सक्रिय सहभागिता। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जिलेभर के 97 स्थानों पर तय समयावधि में विशाल पथ संचलन निकाले जाएंगे।

इन दिनों गांव- गांव ओर नगरीय क्षेत्रों की बस्तियों में स्वयंसेवकों की टोली घर-घर पहुंच रही है। परंपरागत गणवेश में सज्ज स्वयंसेवक न केवल संपर्क कर रहे हैं, बल्कि यह संदेश भी पहुँचा रहे हैं कि शताब्दी वर्ष का यह आयोजन केवल संघ का नहीं, बल्कि हर हिंदू घर का आयोजन है।

शताब्दी वर्ष संचलन को लेकर संघ का संकल्पभाव है कि इस वर्ष प्रत्येक हिंदू परिवार से कम से कम एक प्रतिनिधि पथ संचलन में शामिल होगा। अनुशासन, एकता और राष्ट्रभाव का यह विराट दृश्य जिले के कोने-कोने में देखने को मिलेगा।संघ की धार जिले की रचना में 926 गांव आते हैं जिन्हें 88 मंडलों में विभाजित किया गया है। तय योजना के अनुसार, इन 88 मंडल केंद्रों पर 25 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच भव्य पथ संचलन निकाले जाएंगे।

साथ ही जिले में 9 नगरीय केंद्र आते हैं, यहां भी संघ शताब्दी विशाल पथ संचलन निकलेंगे जिनमें 49बस्तियों से स्वयंसेवक शामिल होंगे।आने वाले विजयादशमी के आसपास गाँव की गलियों से लेकर नगर की मुख्य सड़कों तक अनुशासन और संगठन भाव का यह स्वर गूंजेगा।

जिले में कुल 13 घोष इकाइया है। संचलनों को लेकर इनमें –आनक - 292, शंख - 36, वेणु - 114, प्रणव- 26, ताल - 48 आदि वाद्ययंत्रों के स्वयंसेवक प्रशिक्षित हुए हैं। जिससे जिले के पथ संचलनो में 516 स्वयंसेवक घोष वादन करेंगे ।जिले में अब तक 4600 से अधिक गणवेश नए जुड़े स्वयंसेवको ने विक्रय कर ली है।जिले के सभी 926 गांवों से संचलन में सुनिश्चित सहभागिता हो इस हेतू कई कार्यकर्ता इन गांवों में प्रवास कर रहे हैं, गृह संपर्क के साथ- साथ वहां छोटी- छोटी बैठके कर संचलन का विषय पहुंचा रहे है।

भूतपूर्व सैनिकों की मासिक बैठक 23 सितंबर को

बैतूल। भूतपूर्व सैनिकों की मासिक बैठक 23 सितंबर को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय बैतूल में आयोजित की गई है। कैप्टन आईएन सुमीत सिंह सेवानिवृत्ति जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने सभी भूतपूर्व सैनिकों, शहीदों की पत्नियों से यथा समय बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 22 सितंबर को

बैतूल। जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 22 सितंबर को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने बताया कि बैठक में आजीविका प्लाजा दुकान निर्माण तथा पुराना जिला पंचायत भवन के स्थाई पट्टा नवीनीकरण प्रकरण पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

ममता गंगवाल को मिला उत्कृष्ट सम्मान

धार। ममता गंगवाल को निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी के पावन सानिध्य में अशोकनगर मध्य प्रदेश में संपन्न हुए श्री दिगंबर जैन महिला

महासमिति व श्रमण संस्कृति संस्थान के संयुक्त सम्मेलन में मध्य प्रदेश मंत्री के रूप में उनके उत्कृष्ट कार्य व योगदान के लिए अलंकृत कर सम्मानित किया गया ।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का 30 वां राष्ट्रीय अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। लगभग 5200 महिलाएं देश के विभिन्न राज्यों से आकर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन एवं उनकी धर्मपत्नी अलका जैन राष्ट्रीय सचिव प्रवीण जैन , धर्मेन्द्र जैन ,दिल्ली तथा अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारी गण ने सम्मेलन में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला डोडिया, महामंत्री इन्दू गांधी आदि पदाधिकारी गण ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई ।

यह राष्ट्रीय अधिवेशन प्रतिवर्षण मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में होता आ रहा है। क्योंकि इस बार गुरुदेव चातुर्मास अशोकनगर में हो रहा है। अशोकनगर समाज और महासमिति महिला अशोक नगर संभाग के सभी सदस्यों ने आमंत्रित अतिथियों की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाने में हर संभव मदद की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मध्य प्रदेश पदाधिकारी संगीता सोगानी, ममता गंगवाल और पूजा सोगानी ने बधाइयां दी। जानकारी ममता लुहाड़िया ने दी।

पीएमश्री स्कूल प्रभात पट्टन में विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का दिया संदेश

बैतूल। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय प्रभात पट्टन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्राचार्य श्री सीएस पटेल के मार्गदर्शन में भव्य स्वच्छोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर विशाल मानव श्रृंखला बनाई, जिसमें स्वच्छ भारत का नक्शा प्रस्तुत कर

स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल कप्तान भूमिका द्वारा दिलाई गई स्वच्छता शपथ से हुई। इसके बाद सैकड़ों विद्यार्थियों ने हाथों में हाथ डालकर श्रृंखला बनाई और वातावरण स्वच्छता अपनाओ - स्वस्थ समाज बनाओ एवं स्वच्छ भारत -सुंदर भारत जैसे नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता हर नागरिक का कर्तव्य है। यदि हम अपने घर, विद्यालय और आसपास का वातावरण स्वच्छ रखें, तो बीमारियों से बचाव और एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई तथा प्लास्टिक निषेध और जन संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय का संपूर्ण परिवार उपस्थित रहा। प्राचार्य श्री पटेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए स्वच्छ भारत अभियान को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

रेत के अवैध भंडारण पर खनिज व राजस्व अधिकारियों ने की संयुक्त कार्रवाई

चिचोली में नेशनल हाईवे किनारे मिला रेत का ढेर

बैतूल। चिचोली ब्लॉक अंतर्गत चिरापाटला में नेशनल हाईवे के किनारे अवैध रूप से रेत डंप कर भंडारण किए जाने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर बैतूल के स्पष्ट निर्देशों के बाद खनिज विभाग ने राजस्व विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध रेत खनन, परिवहन और भंडारण की पुष्टि की। मौके पर भारी मात्रा में रेत का ढेर पाया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व खनिज अधिकारी वीरेंद्र वसिष्ठ ने किया, जिनके साथ चिचोली तहसीलदार डाली रैकवार, पटवारी और खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने स्थल का निरीक्षण कर मौके पर पंचनामा तैयार किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने रेत के ढेर की मापजोख करवाई। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह रेत पास के किसी नदी क्षेत्र से अवैध खनन कर यहां लाकर डंप की गई थी। गौरतलब रहे कि सुबह सवेरे समाचार पत्र के गत 16 सितंबर के अंक में इस मामले को

प्रमुखता से उठाया गया था। जिसके बाद खनिज विभाग ने यह कार्रवाही की है।

खनिज विभाग और राजस्व अमले की इस सख्त कार्यवाही से रेत माफियाओं में हडक़ंप मच गया है। चिचोली क्षेत्र में यह पहली बार नहीं है जब अवैध रेत खनन और भंडारण की शिकायतें आई हों, लेकिन इस बार कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बाद ज़मीनी कार्रवाई होते देखी गई। जानकारी के अनुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। तहसीलदार डाली रैकवार ने भी स्पष्ट किया कि राजस्व विभाग पूरी इस प्रकार की गतिविधियों पर निगरानी रखे हुए है।

ग्राम धानियाजाम में मनाया राष्ट्रीय पोषण महाअभियान

गर्भवती, धात्री, किशोरी बालिकाओं के लिए हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बैतूल। ग्राम धानियाजाम में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 पर राष्ट्रीय पोषण दिवस हर्षोल्लास और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम की गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं, किशोरी बालिकाएं, बच्चों सहित गांव की समस्त महिलाओं ने एकत्र होकर पोषण और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका ने पोषण का महत्व समझाया तथा बताया कि संतुलित आहार, स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य जांच से कुपोषण को रोका जा सकता है। किशोरी बालिकाओं और धात्री महिलाओं को आयरन, कैल्शियम युक्त आहार लेने की सलाह दी गई। साथ ही बच्चों की वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गई। पोषण दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

शासकीय महाविद्यालय शाहपुर में सुरक्षित नारी सशक्त समाज विषय पर हुई जागरूकता कार्यशाला

अल्पावधि रोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण उपरांत हस्तकला प्रदर्शनी का भी हुआ आयोजन

बैतूल। शासकीय महाविद्यालय शाहपुर में सुरक्षित नारी सशक्त समाज विषय पर जागरूकता कार्यशाला एवं तीस दिवसीय अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम विषय -हस्तकला प्रशिक्षण का आयोजन संयुक्त रूप से महाविद्यालय की महिला अत्याचार एवं उत्पीडन् निवारण समिति की संयोजक डॉ पूनम देशमुख एवं स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो अजाबराव इवने के द्वारा किया गया। महाविद्यालय सभागार में सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा के महत्व तथा उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजकुमार उईके उपसंचालक लोक अभियोजन जिला न्यायालय बैतुल द्वारा

उत्पीडन् से बचाव के प्रभावी उपायों और वन स्टॉप सेंटर के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

विशिष्ट अतिथि श्रीमति वन्दना शिवहरे, लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों, महिलाओं के अधिकारों की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की गई । आमंत्रित अतिथि सहायक लोक अभियोजन अधिकारी श्री अभय सिंह ठाकुर द्वारा न्यायालयीन प्रक्रिया, साक्षी हेल्प डेस्क एवं महिला सुरक्षा कानूनों से अवगत कराया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य नीतू जायसवाल माहोरे ने कहा कि हमारी छात्राओं को इस महत्वपूर्ण विषय पर शिक्षित करने तथा उनमें आत्मविश्वास जगाने की दिशा में यह एक सशक्त कदम है।

छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाग लेकर 'नारी सुरक्षा और सशक्त समाज' के निर्माण हेतु जागरूक रहने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों ने स्वयं अपने हाथों से बनी कलात्मक सामग्री पेपर कार्ड, ज्वेलरी, मिट्टी की गणेश प्रतिमा एवं अन्य सजावटी सामग्रियों की प्रदर्शनी भी लगाई। 30 दिवसीय अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में हस्तशिल्प कला में प्रथम स्थान बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी गजेंद्र धुर्वे, द्वितीय स्थान बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र अभिजीत काजले एवं तृतीय स्थान बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमारी मुस्कान मालवीय ने प्राप्त किया। जिन्हें शील्ड देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षक श्री गोलू जाटव ब्लाक समन्वयक नेहरू युवा केंद्र शाहपुर एवं श्रीमती हर्षिता गोठी वैदिक गणित प्रशिक्षक एवं डायरेक्टर क्रिएटिव विंग्स एकेडमी बैतूल को भी प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ नीतेश पाल, मंच सज्जा डॉ ज्योति वर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ शीतल चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लगभग 120 विद्यार्थी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बिना मुंडेर के कुएं में गिरी श्रद्धालुओं की कार

छिंदवाड़ा-बैतूल हाईवे पर हादसा, 2 की मौत, 3 यात्रियों को निकाला

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा-बैतूल हाईवे रोड में टेमनी खुर्द के पास एक कुएं में श्रद्धालुओं से भरी कार बेकाबू होकर गिर गई। कार में कुल 7 लोग सवार थे। जिनमें 2 की डूबने से मौत हो गई। ये सभी चित्रकूट से मुलताई जा रहे थे।

बैतूल हाईवे पर टेमनी खुर्द के पास नेशनल हाईवे से लगा हुआ एक पुराने बिना मुंडेर के कुएं में ये हादसा हुआ। सूचना मिलने पर सांवरी चौकी प्रभारी मुकेश द्विवेदी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। तीन लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। बाकी की तलाश जारी है।

सांसद बोले- नसबंदी के बाद बच्चा पैदा करने की सुविधा

जिला चिकित्सालय में जनार्दन मिश्रा ने कहा- इस तरीके के डॉक्टर दूसरे अस्पताल में नहीं

रीवा। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा का एक बार फिर अजीब बयान सामने आया। इस बार सांसद ने डॉक्टर्स की समस्याओं पर बोलते हुए कुछ ऐसा कह दिया जो अब चर्चा का विषय बना है। सांसद जनार्दन मिश्र ने रीवा के डॉक्टरों की तारीफ कर कहा।नसबंदी के बाद भी अगर बच्चा पैदा करने की स्थिति हो जाए, इस तरीके के डॉक्टर किसी दूसरे अस्पताल में नहीं है। लेकिन यह सुविधा रीवा के जिला अस्पताल में है। दरअसल सांसद ने कहा मानव संसाधन को तैयार करने में बहुत कठिनाई होती है। यहां जिला चिकित्सालय में पर्याप्त डॉक्टर, पर्याप्त नर्स और वॉर्ड बॉय मौजूद हैं। सिविल सर्जन महोदया कह रही थीं कि हमें डायलिसिस के लिए किसी दूसरे अस्पताल की मदद की जरूरत नहीं है। तो बच्चा वॉर्ड में बच्चा पैदा करने के लिए किसी तरह का कोई चैलेंज नहीं है। नसबंदी के बाद फिर बच्चा पैदा करने की सुविधा यहां उपलब्ध है। प्लास्टिक सर्जरी के लिए किसी दूसरी तरह की जरूरत नहीं है। बच्चा पैदा करने की स्थिति उत्पन्न हो जाए वो डॉक्टर दूसरे अस्पताल में मौजूद नहीं हैं लेकिन इस अस्पताल में मौजूद हैं। यह अपने आप में दर्शाता है कि मानव संसाधन के लिए डॉक्टर उपलब्ध कराने और नर्स उपलब्ध करवाने के लिए कितनी मेहनत लगती है।

बोले- अस्पतालों का आधुनिकीकरण हुआ, डॉक्टर तैयार करना कठिन- सांसद ने कहा आज हम देखते हैं कि मोदी जी कहते हैं कि हम दोगुनी और तीन गुनी रफ्तार से मेडिकल कॉलेज की संख्या बढ़ाएंगे। 2047 तक डॉक्टरों का अनुपात जो विदेशों में है जनसंख्या की दृष्टि से वहां तक ले जायेंगे। लेकिन डॉक्टर तैयार करना इतना कठिन काम है। पैसा केंद्र की सरकार दे रही है जहां आयुष्मान योजना के तहत हर गरीब का इलाज भी हो रहा है। अस्पतालों का आधुनिकीकरण हो रहा है और नई नई मशीनें भी आ रही हैं लेकिन डॉक्टर तैयार करना कितना कठिन काम है और जब मोदी जी ने संकल्प लिया है तो 2047 तक यूरोप और अमेरिका के डॉक्टरों की तर्ज पर भारत की स्थिति भी बदलेंगे। यह बहुत बड़ा संकल्प है और मैं यह समझता हूं कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग राजेंद्र शुक्ल जी के नेतृत्व में उस काम को आगे बढ़ा रहा है और मोदी जी का जो लक्ष्य है। उस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

एक बगिया मां के नाम परियोजना के तहत ग्राम कचनारिया में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने रोपित किए आम के पौधे

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सांची जनपद के ग्राम कचनारिया में एक बगिया मॉ के नाम परियोजना के तहत सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा हितग्राही दीदी श्रीमती मुल्लो बाई के साथ फलदार पौधे रोपित किए गए। उजाला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हितग्राही श्रीमती मुल्लो बाई की आधा एकड़ कृषि भूमि पर एक बगिया मॉ के नाम परियोजना के तहत आम के पचास पौधे रोपित किए गए हैं। हितग्राही श्रीमती मुल्लो बाई को पौधे क्रय करने तथा रोपित करने और उनकी सुरक्षा हेतु तार फेंसिंग आदि के लिए राशि स्वीकृत की गई है।

स्वच्छता शपथ भी दिलाई: विधायक डॉ चौधरी द्वारा पौधरोपण के उपरांत सभी को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर श्री राकेश शर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रदेश सरकार द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को समृद्ध बनाने के लिए महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत एक बगिया मॉ के नाम परियोजना शुरू की गई है जिसमें स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया लगाने हेतु पौधे रोपित किए जा रहे हैं। परियोजना के तहत शासन द्वारा हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए जल कुंड निर्माण हेतु राशि प्रदान की जा रही है। प्रदेश में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है।

पौधरोपण के लिए जमीन का चयन: इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गौशालाओं की निगरानी सीसी कैमरो से

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा जिले की सभी शासकीय गौशालाएं आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण हो इसके लिए आवश्यक प्रबंधो की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जा रही है। उक्त कार्यो में जन सहभागिता के माध्यम से मूर्तरूप दिया जा रहा है। कुरवाई तहसील के ग्राम बर्री टोरिया में संचालित शांति गौशाला में सुरक्षा के दृष्टिकोण तथा अविलम्ब जानकारियां व मानिटरिंग व्यवस्था को उन्नत बनाने के लिए सीसी कैमरे लगाए गए है। गौरतलब हो कि हाईटेक कैमरो के माध्यम से गौशाला की निगरानी का अवलोकन कही भी किसी भी क्षेत्र में बैठकर आनलाइन सुविधा के माध्यम से देखा जा सकेगा।

कलेक्टर के निर्देश पर बिजली कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भैरूंदा में बिजली लाइन का मेंटेनेंस कार्य करने वाले बिजली कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा कर्मचारियों को लाइन मेंटेनेंस के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने, हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, ग्लव्स और शूज़ जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें बताया गया कि बिना सप्लाई बंद किए लाइन पर कार्य न करें, ऊँचाई पर चढ़ने से पहले आवश्यक सुरक्षा जांच करें और किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित बचाव उपायों को अपनाए।उल्लेखनीय है कि विगत दिवस बिजली लाइन मेंटेनेंस कार्य के दौरान एक आउटसोर्स बिजली कर्मचारी की दुखद मृत्यु हो गई थी, इस घटना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बिजली कंपनी के अधिकारियों को सभी बिजली मेंटेनेंस कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित करने और उन्हें सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में मनाई भगवान विश्वकर्मा की जयंती

बैतूल (निप्र)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में विश्वकर्मा जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्मा जी के छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजन किया गया। तत्पश्चात छात्राओं ने मां सरस्वती वंदना गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। प्राचार्य श्री केशव सातपुते ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने नवीन व्यवसाय सोलर टेक्नीशियन का फीता काटकर शुभारम्भ किया। वहीं मां सरस्वती देवी की मूर्ति का अनावरण भी किया। मंच संचालन श्री रूपेश ठाकरे व श्रीमती दीपिका पवार द्वारा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.अरूण भदोरिया, प्राचार्य पालिटेक्नीक कॉलेज बैतूल, पूर्व प्राचार्य महिला आईटीआई बैतूल श्री चंदेलकर, जिला रोजगार अधिकारी बैतूल श्री श्याम धुर्वे एवं श्री अभिलाष सिंह तोमर, आईटीआई के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणर्थी उपस्थित रहे।

कढ़ाई गौशाला का किया निरीक्षण, सभी व्यवस्थाएं मिली दुरुस्त

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार बुधवार को पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर और नगर पालिका बैतूल सीएमओ श्री सतीश मत्सानिया ने कढ़ाई गौशाला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सृजन भारती समिति के सदस्य बलराम जसूजा, सचिव विजय हरोडे सहित विभाग की ओर से डॉ. यशपाल सिंह चौहान, विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी बैतूल एवं सहायक एवीएफओ विनीत धुर्वे भी मौजूद रहे। गौशाला में घायल और बीमार पशुओं के निरंतर उपचार की सराहना करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अवर्णित नस्ल के सभी सांडों का 100 प्रतिशत बधियाकरण कराया जाए। साथ ही प्रजनन योग्य मादा गायों में उन्नत नस्ल सुधार के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग किया जाए।

जिले में 02 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती पर शुष्क दिवस घोषित

रायसेन (निप्र)। जिले में महात्मा गांधी जयंती 02 अक्टूबर 2025 को कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा शुष्क दिवस घोषित किया गया है। सहायक आबकारी आयुक्त ने प्रभाराधीन इकाई/वृत्त की समस्त देशी-विदेशी (कम्पोजिट मदिरा) की फुटकर बिक्री दुकानें एफएल-2, एफएल-3, एफएल-7 पूर्णतः बंद रखे जाने के साथ ही जिले की मदिरा उत्पादन इकाई लायसेंस डी-1, बी-3, एफएल-9, एफएल-9ए, सीएस-1 बी में आयात-निर्यात और परिवहन पूर्णतः बंद रखा जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत आयोजित शिविर में 2618 ने किए पंजीयन

बैतूल (निप्र)। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷का शुभारंभ बुधवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा धार जिले से किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जेएच कॉलेज ऑडिटोरियम बैतूल में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं सवास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि आयोजित शिविर में कुल पंजीयन 2618 किए गए। एएनसी जांच 35, टीकाकरण 11, एचआईवी सिफलिस 47, हीमोग्लोबिन जांच 741, सिकल

सेल जांच 1617, डायबिटिज 170, बीपी जांच 221, एआरटी परामर्श 47, नेत्र रोग 131, नाक कान गला रोग जांच 182, दंत रोग जांच 122, फिजियोथेरेपी 36, आयुष प्रकृति परीक्षण 27, मानसिक दिव्यांग 5, प्रमाण पत्र 5, आर्थोपेडिक 5, टीबी स्क्रीनिंग 565, निक्षय मित्र 10 नये बने, एक्स-रे 11, दवाई वितरण 785 हितग्राहियों को किया गया। कुल 423 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया जिसमें भाजपा कार्यालय 159, ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय में स्वेच्छा से 212, रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से 52 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया।

पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत जागरूकता शिविरध्कार्यशाला का आयोजन

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर शासकीय आई.टी.आई. विदिशा एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, विदिशा द्वारा संयुक्त रूप से शासकीय आई.टी.आई. परिसर में पी.एम. विश्वकर्मा योजना तथा अन्य विभागीय योजनाओं से संबंधित जागरूकता शिविरध्कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र विदिशा के महाप्रबंधक श्री अशोक श्रीवास्तव, शासकीय आई.टी.आई. के प्राचार्य श्री ए.पी. श्रीवास्तव, प्रशिक्षण अधिकारी श्री दीपक आचार्य एवं श्री आलोक रावत, प्रबंधक श्री अनूप दुबे, सहायक प्रबंधक श्रीमती जयंती कुमारी, सुश्री शिवानी सिंह एवं सुश्री ऋतु साहू, एन.एस.डी.सी. के जिला संयोजक श्री शुभम बघेल सहित पी.एम. विश्वकर्मा योजना अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अनेक प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। श्री शुभम बघेल, श्रीमती जयंती कुमारी एवं सुश्री ऋतु साहू ने पी.एम. विश्वकर्मा योजना एवं अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा उनसे जुड़ी समस्याओं के समाधान पर भी चर्चा की। महाप्रबंधक श्री अशोक श्रीवास्तव ने उद्बोधन देते हुए युवाओं को योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

शासकीय उत्कृष्ट उमावि नर्मदापुरम में 03 दिवसीय नवाचार अंग्रेजी विषय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला प्रारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय उत्कृष्ट उमावि नर्मदापुरम में 03 दिवसीय नवाचार अंग्रेजी विषय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन डॉ श्री मनीष वर्मा संयुक्त संचालक नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में प्रारम किया गया। प्रशिक्षण में संभाग हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम के कक्षा 6 से 10 तक अंग्रेजी विषयक अध्यापन कराने वाले मॉडल एक्सिलेंस, सांदीपनी, उमादि, एवं पी.एम.श्री स्कूलों के शिक्षकों के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कक्षा 6 से 10 तक अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं के अंग्रेजी के प्रारंभिक ज्ञान को पाठ्य पुस्तक से जोड़कर किस प्रकार से आज के समय के अनुसार मुख्य धारा से जोड़ सकते है, से संबंधित है। प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ संयुक्त संचालक नर्मदापुरम डॉ. श्री मनीष वर्मा द्वारा मां सरस्वती के पूजन कर प्रारंभ किया गया। सह सयोजक श्री सुदीप गौर प्राचार्य, संयुक्त संचालक कार्यालय द्वारा अधिकतम बच्चों को अंग्रेजी का लाभ प्राप्त हो इसके संबध में विचार व्यक्त किये। प्रशिक्षण के लिए भोपाल स्तर से प्रभारी के रूप में श्री संजय जैन, श्री अमन शर्मा, श्री आयुष्मान व संमाग नर्मदापुरम से मास्टर ट्रेनर श्री सन्नी गंभीर सिंह व श्री हीरालाल कहार द्वारा सत्र की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य (श्रीमती भागवती वर्मा एवं शास कन्या उमावि से प्रनारी प्राचार्य श्रीमती छाया भगत) ने

संभाग के विभिन्न जिलों से आये हुए शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे अंग्रेजी के नवाचार आधारित विधियों-प्रविधियों से ओत-प्रोत प्रशिक्षण का लाभ लेकर अपने आसपास के विद्यालयों के बच्चों में बाटने व उन्हें तैयार करने की भूमिका निभाएं। इस हेतु प्रशिक्षण पश्चात समाज के गरीब एवं वंचित समूह के बच्चों को अंग्रेजी की मुख्य धारा से जोड़ने में सहयोग करने की अपेक्षा की। कार्यक्रम में श्री संदीप सिंह, श्री आशीष पटेल, श्री आर.के. सैनी, श्री राकेश सराठे, श्रीमती रोशनी भवसार, श्री दिनेश अहिरवार व श्री सूरज ने कार्यक्रम में पंजीयन, विद्युत व्यवस्था, नाश्ता-भोजन, ठहरने व प्रशिक्षण सामग्री आदि वितरण में सहयोग प्रदान किया। कार्यकम प्रातः 10 बजे से साय 05 बजे तक स चालित हुआ। प्रशिक्षण कार्यशाला में बताया गया कि पाठ्य-पुस्तक से कहानी एवं कविता का किस प्रकार अध्यापन किया जाए, ताकि सरलतम तरीके से अल्पज्ञानी बच्चा भी अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता से मौखिक एवं लिखित कौशल अर्पित कर सके।

र्मदापुरम पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में परीक्षा पर चर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में परीक्षा पर चर्चा एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक नर्मदापुरम डॉ. सीतासरन शर्मा, विशिष्ट अतिथि सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी एवं विधायक प्रतिनिधि श्री विवेक गौर, सांसद प्रतिनिधि श्री मनोज शर्मा, अध्यक्ष म.प्र. तैराकी संघ श्री पीयूष शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री महेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष श्री रुपेश राजपूत, पूर्व नगर मंत्री -श्री मनीष परदेशी तथा श्री भवानी गौर, श्री अंकित साहू, श्रीमति माया केवट आदि गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में सम्मिलित होकर विधायक एवं सांसद ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया एवं छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। परीक्षा के संबंध में विद्यार्थियों से चर्चा की विद्यार्थियों से परीक्षा की तैयारी, अनुभव और सुझाव साझा किए। विधायक एवं सांसद ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का सहजता से समाधान किया और आगे बढ़ने के लिए उन्हें कड़ा परिश्रम करके अपने आप को

देश सेवा के लिए प्रेरित किया। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि सभी छात्र छात्राएं अपने उज्जवल भविष्य के लिए कड़ी से कड़ी मेहनत करें और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। एवं विद्यार्थी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ भविष्य में देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सक्षम होकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे। परीक्षा पर चर्चा के उपरांत पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया एवं विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तयरदायित्व निभाने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों में अतिउत्साह देखने को मिला एवं विद्यार्थियों ने परीक्षा पर चर्चा के दौरान अपनी पढाई में आ रही समस्याओं से अतिथियों को अवगत कराया जिनका अतिथियों द्वारा निराकरण किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राजयोगिनी बी.के. अवधेश दीदी के निधन पर व्यक्त किया शोक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ब्रह्मकुमारी संस्था की वरिष्ठ राजयोगिनी एवं भोपाल ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशक बी. के. अवधेश दीदी के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि दीदीजी का संपूर्ण जीवन अध्यात्म, सेवा और समाज उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा में नैतिकता और मूल्य आधारित जीवन की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया। भोपाल ज़ोन सहित मध्यप्रदेश के अनेक जिलों में उन्होंने राजयोग प्रशिक्षण, सत्संग और जनजागरण अभियानों के माध्यम से हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि दीदीजी का सरल जीवन, मधुर वाणी और सेवा-भावना हमेशा लोगों को प्रेरणा देती रहेगी। उनका निधन अध्यात्म और समाज सेवा क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण प्रगति का आधार है: विधायक डॉ चौधरी

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित जिला चिकित्सालय में आयोजित सेवा पखवाड़ा अभियान तथा स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व केबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिवस है और आज से सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ हो रहा है, जिसके तहत 02 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगीं।

कार्यक्रम स्थल पर धार जिले में आयोजित कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का लाईव प्रसारण भी देखा व सुना गया। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी आधुनिक भारत के शिल्पकार हैं, उन्होंने विश्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है। हमारा भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा धार जिले में पीएम

मित्र पार्क का शिलान्यास किया गया है।

यह पार्क प्रदेश के कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग को नई पहचान देगा, हज़ारों युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराएगा तथा किसानों की उपज को उचित मूल्य दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें युवाओं द्वारा जागरूकता और सेवाभाव से स्वैच्छिक रक्तदान किया जा रहा है। इसके साथ ही आज से स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार अभियान का भी शुभारंभ हो रहा है।

उन्होंने कहा कि हम निरंतर स्वस्थ समाज की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण प्रगति का आधार है। स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत जिसके तहत निःशुल्क शिविर आयोजित कर महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण तथा उपचार किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं से आव्हान किया कि वह स्वास्थ्य शिविरों में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं। कार्यक्रम में पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह ने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं देते हुए सेवा पखवाड़ा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं, अभियानों के बारे में संबोधित किया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा श्री राकेश शर्मा ने भी कार्यक्रम में संबोधित किया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया अवलोकन सेवा पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर जिला चिकित्सालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों, युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं तथा नागरिकों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। विधायक डॉ चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा रक्तदान शिविर का अवलोकन किया गया।

संजय जैन को इस वर्ष का डॉ. राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान

भोपाल । प्रतिष्ठित डॉ. राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान 2025 से इस वर्ष संजय जैन, अपर संचालक जनसंपर्क को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 18 सितंबर आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेता राजीव वर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप सभागृह श्यामला हिल्स पर शाम 7 बजे से आयोजित किया गया। इस अवसर पर संजय श्रीवास्तव के निर्देशन में रंग दरबार ग्रुप द्वारा नाटक चिट्ठी का मंचन किया अदभुत मंचन किया गया। कार्यक्रम में पूर्वरंग में सीमा बजाज द्वारा कबीर गायन प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राजेन्द्र कुमार जनसंपर्क एवं पत्रकारिता संस्थान के तत्वावधान में किया गया है। आयोजन में आशीष श्रीवास्तव एवं आतीश श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संजय जैन–जीवन परिचय

उल्लेखनीय है कि संजय जैन बहुआयामी प्रतिभा के अधिकारी हैं। उनमें प्रशासनिक योग्यता और गंभीर रचनात्मकता का मणिकांचन योग है। आप उन बिरले अधिकारियों में से हैं, जिन्होंने शासकीय दायित्वों के साथ-साथ अपनी संवेदनशीलता को सहेजे रखा है। एक सक्षम तथा दूरदर्शी जनसंपर्क अधिकारी होने के साथ आपका साहित्य में भी गहरा दखल है। संजय जैन का जन्म सीहोर जिले के आष्टा में 2 मार्च 1965 को हुआ। आपने गणित में एमएससी की उपाधि हासिल कर साथ में बैचलर ऑफ जर्नलिज्म की डिग्री भी प्राप्त की है। 1991 में आपका चयन सहायक संचालक जनसम्पर्क के पद पर हुआ। जनसंपर्क अधिकारी के रूप में आपने अब तक विदिशा और खरगोन के जिला कार्यालयों तथा

भोपाल और इन्दौर के संभागीय जनसम्पर्क कार्यालयों में सेवाएं दी और एक संवेदनशील अधिकारी के रूप में छाप छोड़ी। आपने जनसंपर्क विभाग के भी विभिन्न प्रभागों में कुशलता से कार्य किया। विज्ञापन विभाग में रहते हुए विज्ञापन का ऑन लाइन सिस्टम विकसित करने में आपकी अहम भूमिका रही। इसी प्रकार सोशल मीडिया शाखा प्रभारी के रूप में राज्यस्तरीय सोशल मीडिया प्रकोष्ठ को व्यवस्थित रूप में आपने विशेष योगदान दिया। वर्तमान में आप अपर संचालक जनसंपर्क का दायित्व निर्वहन कर रहे हैं। आपको मुख्यमंत्री प्रकोष्ठ में कार्य करने का 14 वर्ष कार्य का अनुभव है। रचनात्मक अवदान श्री संजय जैन सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र में विगत 35 वर्षों से सक्रिय हैं। उनकी सृजनात्मकता यह फलक काफी विस्तृत है।

श्री जैन ने रचनाकार के रूप में कविता, कहानी, व्यंग्य और उपन्यास लेखन के रूप में साहित्य की विभिन्न विधाओं में गहरा रचनात्मक हस्तक्षेप किया है। वो अपने आसपास को पैनी नजर से देखते, समझते और उसका मार्मिक शब्दांकन करते चलते हैं। अपने जीवनानुभव और आसपास के चरित्र संजयजी की रचनाओं के केन्द्र में हैं। दैनंदिन अनुभवों को शब्दों में पिरोने का महीन कौशल उनकी रचनाओं में स्पष्ट झलकता है। उनकी कहानियां मर्मस्पर्शी, मन जो झकझोरने के साथ साथ व्यवस्था की विसंगतियों पर गंभीर प्रश्नचिन्ह भी लगाती हैं।

संजयजी की कहानी की कहन और पात्र जमीनी हैं। उनके सरोकार, वेदनाएं और राग द्वेष हमारे आसपास की जिंदगी की रचनात्मक अभिव्यक्ति है। श्री संजय जैन के अब तक दो कहानी संग्रह 'क्या फर्क पड़ता है' और खुली दराज और बिखरी खुशबुएँ' प्रकाशित हो चुके हैं तथा एक उपन्यास भी प्रकाशनाधीन है। इसके अलावा एक व्यंग्य संग्रह '51 व्यंग्य' भी प्रकाशित हो चुका है। श्री संजय जैन की लगभग दो सौ से अधिक व्यंग्य रचनाएँ देश और प्रदेश के लोकप्रिय समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। साथ ही दो दर्जन से अधिक कहानियाँ देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं तथा राष्ट्रीय समाचार पत्रों के साहित्यिक अंकों में प्रकाशित हुई है। इनके अतिरिक्त उनकी कविताएँ, यात्रा संस्मरण तथा समीक्षाएँ तथा समसामयिक विषयों पर अनेक आलेखों का प्रकाशन भास्कर, नई दुनिया, सुबह-सबेरे, जागरण, जनसत्ता, राष्ट्रीय सहारा, कथादेश, हंस, सामयिक सरस्वती, आदि में हुआ है।

नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने कृषि यंत्रों का उपयोग करें किसान

फसल अवशेष प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला

भोपाल (नप्र)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसान भाई नरवाई से जुड़े सभी कृषि यंत्रों का उपयोग करें, जिससे प्रदेश में फसल अवशेष जलाने की घटनाएँ नियंत्रित हो सकें। उन्होंने भोपाल में आयोजित फसल अवशेष प्रबंधन पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया।

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को नियंत्रित कर वायु प्रदूषण कम किया जा सकता है। मृदा में कार्बनिक पदार्थ बढ़ाने से फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है। प्रदेश में किसानों को समझाईश देकर उत्पादन लागत कम कर आय बढ़ाने का कार्य चल रहा है। फसल अवशेषों का

समुचित उपयोग कर कृषकों की अतिरिक्त आय के विकल्प उपलब्ध कराये जा रहे हैं। कार्यशाला में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल, सचिव कृषि श्री निशांत वरबडे, कुलगुरु कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर श्री अरविंद शुक्ला, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड श्रीमती एस. सरस्वती, निदेशक सीफेट लुधियाना डॉ. नचीकेत कोतवालीवाले, निदेशक सीआईएई भोपाल डॉ. सीआर मेहता, देश एवं प्रदेश से आए वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञगण, नरवाई प्रबंधन से जुड़े यंत्रों के निर्माता बंधु सहित किसान भाई-बहन उपस्थित थे।

श्रमिक सुरक्षा पर सरकार का विशेष ध्यान

भोपाल (नप्र)। श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। श्रमिकों की सुरक्षा कर्तव्य के साथ-साथ सामाजिक सरोकार भी है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये कारखाना अधिनियम,1948 तथा भवन एवं अन्य संनिर्माण अधिनियम,1996 और इनके अंतर्गत बनाए गए नियमों का पालन करना प्रत्येक नियोजक, कारखाना अधिभोगी और प्रबंधक का कानूनी दायित्व है। सभी कारखानों के प्रबंधन व निर्माण कार्य नियोजकों से अपेक्षा की जाती है कि वे स्वेच्छा से पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें तथा श्रमिकों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण प्रदान करें। संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा श्रीमती नमिता तिवारी ने बताया है कि श्रमिकों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। कारखानों या निर्माण स्थलों के निरीक्षणों में पाए गए गंभीर उल्लंघनों पर कानूनी कार्रवाई की जाती है। ज्ञात्य है कि सुरक्षा प्रावधानों का उल्लंघन करने पर नियमों में जुर्माना या कारावास या दोनों तरह की कार्रवाई का प्रावधान है। औधोगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के सभी अधिकारियों को समस्त लम्बित वैधानिक प्रकरणों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है। इनके त्वरित निराकरण से उत्पन्न निरोधक प्रभाव निर्माण स्थल और कारखानों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। श्रम विभाग ने उद्योग जगत व नियोजकों से सहयोग की अपेक्षा की है ताकि उत्पादन और प्रगति के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा एवं कल्याण भी सुनिश्चित हो सके।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश के सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त श्री विजय यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को राजभवन में सौजन्य भेंट की।

चुनाव आयोग ने 23 राजनीतिक दलों को किया डी लिस्ट

15 पॉलिटिकल पार्टी फर्स्ट फेज में हुई थीं डी लिस्ट, थर्ड फेज में छह और दलों को नोटिस

भोपाल (नप्र)। चुनाव आयोग ने मध्यप्रदेश की 23 पॉलिटिकल पार्टियों को डी लिस्ट कर दिया है। इनके खिलाफ यह कार्रवाई 2019 से अब तक कोई चुनाव नहीं लड़ने और पिछले 3 साल का ऑडिट रिकॉर्ड नहीं सौंपने के बदले की गई है। एक माह पहले चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पार्टी के एड्रेस पर नोटिस भेजा था। जिसमें कहा था कि अगर एक माह में उचित जवाब नहीं दे सके तो आयोग मान्यता समाप्त करने की कार्यवाही करेगा। इससे पहले 15 दलों की मान्यता खत्म की जा चुकी है।

तीसरे फेज में 6 अन्य दलों को नोटिस जारी किए

तीसरे फेज में 6 अन्य दलों को डी लिस्ट करने के नोटिस जारी किए हैं। चुनाव आयोग ने जन प्रतिनिधि एक्ट 1951 की धारा 29 ए के अंतर्गत नोटिस दिए थे। संबंधित राजनीतिक दलों को अपना जवाब प्रस्तुत करने का मौका देने के बाद आयोग ने इन्हें डी लिस्ट करने का निर्णय लिया है।

इन पार्टियों को किया डी लिस्ट

● आदिजन मुक्ति सेना फर्स्ट फ्लोर दुर्गेश विहार जेके रोड भोपाल ● अद्वैत इशावश्यम कांग्रेस गुरु अय्यान्वरी आश्रम रीवा नाका मैहर ● अखिल भारतीय जन मोर्चा प्रतापनगर भानपुर भोपाल ● आल इंडिया डेमोक्रेटिक पार्टी साकेत नगर भोपाल ● बहुजन संघर्ष दल लक्ष्मणपुरा लश्कर ग्वालियर ● भारतीय नवयुवक पार्टी लक्ष्मीगंज लश्कर ग्वालियर ● भारतीय राष्ट्रीय मजदूर दल नया सराफा ग्वालियर ● भारतीय अपना अधिकार पार्टी ग्वालियर ● भारतीय जनयुग पार्टी हीरा नगर लश्कर ग्वालियर ● भारतीय सामाजिक एकता पार्टी ग्राम नंदोरा रायसेन ● भारतीय श्रमिक दल सोशलिस्ट बामन नगर सतना ● बृहत्तर भारत प्रजातंत्र सेवा पार्टी पन्ना ● इंकलाब पार्टी महावीर नगर भिंड ● मध्यप्रदेश नव निर्माण सेना आधारताल जबलपुर ● नेशनल वर्ल्ड लाइफ पंचतत्व पार्टी शुजालपुर मंडी शाजापुर ● रहबर पार्टी वार्ड कच्ची मस्जिद मोहल्ला रायसेन ● प्रजातांत्रिक लोकराज्य पार्टी ग्राम परासी रीवा ● राष्ट्रीय धर्म निरपेक्ष नव भारत पार्टी शंकर शाह नगर जबलपुर ● राष्ट्रीय गरिमा पार्टी कस्तूरबा नगर भोपाल ● राष्ट्रीय महा जनशक्ति पार्टी अटेर रोड भिंड ● सर्वे भवन्ति सुखिनः पार्टी ग्राम ममदर सीधी ● द इंपीरियल पार्टी आफ इंडिया इंदौर ● विश्व आदर्श भारत पार्टी सुखविलास कालोनी बड़वानी

पहले इन 15 दलों की मान्यता पहले हुई थी खत्म

● अंजुमन पार्टी उज्जैन
● भारतीय जयभीम पार्टी जबलपुर
● भारतीय ग्रामीण समाज पार्टी मुरैना
● भारतीय जन लोक पार्टी झाबुआ
● भारतीय सत्य संघर्ष पार्टी मंडला
● गोंडवाना कांग्रेस पार्टी भोपाल
● गोंडवाना मुक्ति सेना भोपाल
● जय मानवता पार्टी भोपाल
● जनता विकास पार्टी विदिशा
● जन न्याय दल सागर
● किसान मजदूर प्रजा पार्टी भोपाल
● क्रांतिकारी किसान सेना भोपाल
● लोकतांत्रिक सरकार पार्टी मुरैना
● राष्ट्रीय वाहिनी पार्टी इंदौर
● सवर्ण समाज पार्टी रीवा

देश भर में 808 पार्टियां हुई हैं डी लिस्ट

चुनाव आयोग द्वारा देश के सभी राज्यों के 808 राजनीतिक दलों को दो माह के अंतराल में डी लिस्ट किया जा चुका है। पहले चरण में 9 अगस्त को 334 दलों को डी लिस्ट किया था।

बिजासन घाट क्षेत्र में पहाड़ से फूटा झरना

मंदसौर में पुल पर लटकी पिकअप, दो बहे, उज्जैन में मंदिरों में घुसा शिप्रा का पानी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में शुक्रवार को कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश का दौर रहा। बड़वानी के सेंधवा में मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे (एनएच-52) के बिजासन घाट क्षेत्र में करीब डेढ़ घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। तेज बारिश के कारण पहाड़ों से झरना बह निकला, जिससे घाट सेक्शन में कई जगह सड़कें जलमग्न हो गईं।

इधर, मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र में एक पिकअप वाहन चंबल नदी में बने पुल से लटक गया। इसमें पिकअप सवार दो लोग बह गए। इनमें से एक सुरक्षित बच निकले। दूसरे का अब तक पता नहीं चल सका है। प्रदेश में शुक्रवार को रतलाम, टीकमगढ़ समेत कुछ

जिलों में बारिश हुई। भोपाल में सुबह से तेज धूप निकली है और कहीं-कहीं बारिश भी हुई। खजुराहो में रनगुवां बांध के तीन फाटक खोल दिए गए हैं। सितंबर माह में बांध का जल स्तर 764 फीट से नीचे बनाए रखने के निर्धारित रूटीन के तहत गेट खोले गए हैं। प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 43.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से 7.4 इंच ज्यादा है। गुना में सबसे ज्यादा 65 इंच जबकि खरगोन में सबसे कम 26.2 इंच बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे के दौरान 25 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। वहीं, शुक्रवार से अगले 4 दिन तक हल्की बरसात का दौर जारी रहने की संभावना है।

उज्जैन में मंदिरों में घुसा शिप्रा का पानी–इससे पहले गुरुवार को छतरपुर के खजुराहो में 1 इंच से ज्यादा बारिश हो गई जबकि ग्वालियर में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा। भोपाल, जबलपुर, दतिया, इंदौर, श्योपुर, उज्जैन, मंडला, रीवा, टीकमगढ़, उमरिया, बालाघाट, राजगढ़ में भी हल्की बारिश हुई। उज्जैन में शिप्रा में बाढ़ से रामघाट के मंदिरों में पानी घुस गया। बैतूल के मुलताई में लोगों के घरों में पानी भर गया।

होटल के बाहर से पता लगेगा वेज है या नानवेज

एमपी सरकार भेजेगी केंद्र को खाद्य और औषधि प्रशासन नियमों में बदलाव का प्रस्ताव

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में होटल्स और रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की पहचान अब आसानी से हो सकेगी। इसके लिए मोहन यादव सरकार केंद्र सरकार को नियमों में संशोधन का प्रस्ताव भेजने की तैयारी में है।

इस पर अगर केंद्र सरकार ने मंजूरी की मुहर लगाई तो शाकाहारी (वेज) और मांसाहारी (नानवेज) भोजन लेने वाले लोगों को होटल, रेस्टोरेंट के बाहर लगाए जाने वाले बोर्ड से ही पता चल जाएगा कि उन्हें वेज या नानवेज किस होटल में खाना खाने जाना है।

दरअसल एमपी सरकार चाहती है कि इसके लिए पहचान का स्पष्ट तरीके से हरा या लाल गोल निशान के रूप में लागू किया जाए ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े।

खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग की ओर से यह प्रस्ताव प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर तैयार किया गया था जिसे विभाग की सहमति के बाद केंद्र सरकार को भेजा जाने वाला है और

एफएसएसएआई की आगामी बैठक में इस पर चर्चा करके इसे मंजूरी दी जा सकती है। चूंकि खाद्य और औषधि प्रशासन में केंद्र सरकार के नियम लागू होते हैं, इसलिए अगर एमपी सरकार की सिफारिश को मंजूरी मिली तो यह फैसला देश के सभी राज्यों में लागू हो सकता है।

हरे और लाल गोल निशान लगाने होंगे– एमपी सरकार ने जो ड्राफ्ट तैयार कर केंद्र को भेजना तय किया है उसमें कहा गया है कि सिर्फ शाकाहारी भोजन परोसने वाले होटल्स, रेस्टोरेंट के बाहर हरा गोल निशान लगाना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर मांसाहारी भोजन देने वाले होटल्स, रेस्टोरेंट पर लाल गोल निशान बनाना होगा।

दूसरी ओर अगर किसी होटल में वेज और नॉनवेज दोनों ही तरह का खाना मिलता है, तो उसे होटल या रेस्टोरेंट के बाहर आधा हरा और आधा लाल गोला वाला निशान बनाना होगा। इससे लोग बाहर से ही जान सकेंगे कि संबंधित होटल किस तरह का भोजन मिलता है।

विधानसभा में मंत्री ने दिए थे बदलाव के प्रस्ताव के संकेत

विधानसभा सत्र के दौरान एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव फास्ट फूड और चाइनीज आइटम से होने वाले नुकसान को लेकर सदन में लाया गया था। इस दौरान स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने व्यवस्था में सुधार के लिए आश्वासन दिया था। इसके बाद मंत्री द्वारा सदन में दिए गए जवाब के आधार पर प्रस्ताव तैयार किया गया और केंद्र सरकार को भेजा जाने वाला है।

होटल, रेस्तरां मालिक का नाम भी लिखना होगा

यह बात भी सामने आई है कि सरकार सिर्फ खाने की पहचान तक सीमित नहीं रहना चाहती है बल्कि होटल रेस्तरां का लाइसेंस लेने वाले मालिक का नाम भी सार्वजनिक करना चाहती है। इसलिए ड्राफ्ट में इसका भी जिक्र किया गया है कि यह व्यवस्था तय की जानी चाहिए कि होटल या रेस्टोरेंट लाइसेंस लेने वाले का नाम भी लिखा जाए। इसके साथ ही यह कोशिश भी की जा रही है कि शाकाहारी खाना केवल शाकाहारी डिलेवरी बॉय ही लेकर जाए ताकि खाने की डिलेवरी के दौरान किसी तरह की गलती या मिलावट न हो। अगर इस बदलाव को मंजूरी मिलती है तो पैकेटबंद खाने पर जैसे लाल और हरे गोले का निशान होता है, उसी तरह अब होटल और रेस्टोरेंट में बाहर से ही यह पता लग जाएगा।

नगर की सड़कों से विकास को मिलेगी रफ्तार

सस्टेनेबल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर विषय पर हुई कार्यशाला

भोपाल (नप्र)। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि नगरीय क्षेत्र की सड़कों से विकास को रफ्तार मिलती है और इसके लिये जरूरी है कि सड़के गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों से जुड़े हुए इंजीनियरों की जवाबदारी है कि वे सड़कों के निर्माण और संधारण पर पूरा ध्यान रखें। आयुक्त श्री भोंडवे शुक्रवार को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में सस्टेनेबल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर विषय पर हुई कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि प्रदेश में करीब ढाई करोड़ की आबादी शहरी क्षेत्र में रहती है। शहरी क्षेत्र की सड़कों पर यातायात का दबाव काफी है। इन सड़कों पर नगरीय क्षेत्र की अन्य अधोसंरचनाओं का भी प्रभाव पड़ता है इसलिये जरूरी है कि सड़कों को बेहतर गुणवत्ता के साथ बनाया जाये। कार्यशाला में बताया गया कि नगरीय प्रशासन विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत आगामी 5 वर्षों में 2 लाख करोड़ रूपये के काम होंगे। इसी के साथ केन्द्र सरकार की अमृत, स्वच्छ भारत मिशन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना, जलप्रदाय, सीवरेज, हरित क्षेत्र विकास और यूज्ड वाटर मेनेजमेंट आदि कार्यों का क्रियान्वयन भी किया जा रहा है। सड़कें हमारी अर्थव्यवस्था की धुरी हैं, जो नगरीय निकायों के समस्त क्षेत्रों को एक साथ जोड़ती हैं। नगरीय क्षेत्रों की सड़कों की गुणवत्ता सीधे तौर पर हमारी कार्य कुशलता को दर्शाती है। नगरीय निकायों के यंत्री अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण योगदान दे रहे हैं किंतु टेक्नोलॉजी में आ रहे परिवर्तन के साथ उन्हें अपनी कार्य प्रणाली में बदलाव की जरूरत है। कार्यशाला का उद्देश्य भी यही है। कार्यशाला में आईआईटी इंदौर, रूड़की, MORTH, CRRI & RODIC के विषय-विशेषज्ञों द्वारा सड़क निर्माण की नवीन प्रणाली तथा सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।